दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

भीम प्रज्ञा अलर्ट

समय सबसे बड़ा शिक्षक है–जो इसकी कद्र करता है, वही जीवन में आगे बढ़ता है।

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-90 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 19 फरवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

टपकती छतें और चमकती दीवारें–विकास की प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी भव्य इमारतें नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति है। यदि किसी देश में स्कूल की छत पानी से टपकती हो और उसी समाज में मंदिरों या धार्मिक स्थलों की दीवारें सोने-चांदी से जड़ी हों, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि हमारी प्राथमिकताएँ किस दिशा में हैं। यह बात कड़वी अवश्य है, परंतु अनदेखी नहीं की जा सकती। विकास का अर्थ केवल आस्था के प्रतीकों को भव्य बनाना नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसरों की मजबूत नींव रखना भी है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

भारत जैसे देश में आस्था सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। धार्मिक स्थल केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान के केंद्र भी रहे हैं। लोगों की श्रद्धा और दान की भावना ने अनेक मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और चर्चों को समृद्ध बनाया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आस्था व्यक्ति को मानसिक शांति और सामाजिक एकता प्रदान कर सकती है। लेकिन जब आस्था का संतुलन बिगड़कर अंधविश्वास में बदलने लगे, और बुनियादी आवश्यकताओं की उपेक्षा होने लगे, तब चिंतन आवश्यक हो जाता है। आज भी देश के कई हिस्सों में ऐसे विद्यालय हैं जहाँ बच्चों को जर्जर भवनों में पढ़ना पड़ता है। कहीं छत टपकती है, कहीं शौचालय नहीं हैं, तो कहीं बिजली और पेयजल की व्यवस्था अपर्याप्त है। यह स्थिति केवल भौतिक ढांचे की कमी नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं पर प्रश्नचिह्न है। शिक्षा वह आधार है जिस पर किसी राष्ट्र की प्रगति टिकी होती है। यदि विद्यालय ही सुरक्षित और सुसज्जित नहीं होंगे, तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? दूसरी ओर, धार्मिक स्थलों पर चढ़ावे और दान का प्रवाह निरंतर बढ़ता जा रहा है। श्रद्धालु अपनी आस्था के प्रतीक के रूप में उदारतापूर्वक योगदान करते हैं। यह व्यक्तिगत अधिकार है और धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान भी होना चाहिए। किंतु जब समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे की स्थिति कमजोर हो, तब सामूहिक रूप से यह विचार करना आवश्यक है कि संसाधनों का उपयोग किस प्रकार अधिक संतुलित और प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

समस्या आस्था से नहीं, बल्कि असंतुलन से है। यदि समाज अपनी ऊर्जा और संसाधनों का बड़ा हिस्सा प्रतीकों की सजावट पर खर्च करे और मानव संसाधन के विकास को गौण समझे, तो दीर्घकालिक प्रगति बाधित हो सकती है। अंधविश्वास का प्रसार तब होता है जब शिक्षा और वैज्ञानिक सोच कमजोर होती है। शिक्षा व्यक्ति को प्रश्न पूछना सिखाती है, तर्क करना सिखाती है और सही-गलत में भेद करना सिखाती है। जब शिक्षा मजबूत होगी, तभी आस्था भी संतुलित और विवेकपूर्ण बनेगी। यह भी ध्यान देने योग्य है कि धार्मिक संस्थाएँ समाजसेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। अनेक स्थानों पर मंदिर, गुरुद्वारे और अन्य संस्थाएँ स्कूल, अस्पताल और भोजनालय चलाती हैं। यदि दान और संसाधनों का एक हिस्सा व्यवस्थित रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में लगाया जाए, तो यह आस्था और विकास के बीच सेतु का कार्य कर सकता है। आस्था का सर्वोच्च रूप वही है जो मानव कल्याण में परिवर्तित हो। सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति सुधारना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। बजट का प्रभावी उपयोग, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। यदि सरकारी तंत्र मजबूत और ईमानदार हो, तो सामाजिक संसाधनों का दबाव भी कम होगा। साथ ही नागरिक समाज को भी जागरूक होकर प्राथमिकताओं पर विमर्श करना चाहिए। विकास की परिभाषा केवल आर्थिक वृद्धि दर तक सीमित नहीं हो सकती। मानव विकास सूचकांक, साक्षरता दर, स्वास्थ्य सुविधाएँ और सामाजिक समानता–ये सभी वास्तविक प्रगति के संकेतक हैं। यदि इन क्षेत्रों में कमी हो और हम केवल बाहरी चमक पर गर्व करें, तो यह आत्ममुग्धता होगी, प्रगति नहीं।

अंततः यह प्रश्न किसी धर्म या आस्था के विरोध का नहीं, बल्कि संतुलन और विवेक का है। हमें यह समझना होगा कि ईश्वर की सच्ची आराधना मानव सेवा में निहित है। यदि बच्चे सुरक्षित विद्यालयों में पढ़ सकें, यदि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा मिले, यदि वैज्ञानिक सोच और तर्कशीलता का प्रसार हो–तो यही किसी भी समाज की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। टपकती छतों और चमकती दीवारों के बीच हमें निर्णय करना है कि भविष्य किसे प्राथमिकता देगा। यदि हम शिक्षा और मानव विकास को केंद्र में रखेंगे, तो आस्था भी सशक्त होगी और राष्ट्र भी। अन्यथा, बाहरी भव्यता के बावजूद भीतर की कमजोरी हमें आगे बढ़ने से रोकती रहेगी। विकास का असली मार्ग संतुलन, विवेक और मानवीय प्राथमिकताओं के सही निर्धारण से होकर ही गुजरता है।

हरियाणा-राजस्थान में 32 साल बाद सिरे चढ़ा जल समझौता

हथिनीकुंड से चूरू तक बिछेगी 265 किमी. लंबी पाइपलाइन

भीम प्रज्ञा न्यूज

चंडीगढ़ । हरियाणा और राजस्थान के बीच तीन दशक से अटका 1994 का यमुना जल समझौता अब हकीकत बनने जा रहा है। हरियाणा सरकार ने हथिनीकुंड बैराज से राजस्थान के हासियावास तक पाइपलाइन बिछाने के प्रस्ताव पर अपनी लिखित सहमति का पत्र राजस्थान सरकार को भेज दिया है। इस कदम से अब प्रोजेक्ट की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। हरियाणा ने बीच में कुछ जगहों पर पेयजल योजनाओं के लिए पानी मांगा है। 32 साल पहले हुए समझौते के पूरा होने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पिछले महीने यहां केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल की मौजूदगी में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के समक्ष पाइपलाइन पर सैद्धान्तिक सहमति बनी थी।

यमुना का 10.4' पानी जाएगा

265 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछेंगी

यमुनानगर जिले में स्थित हथिनी कुंड बैराज से राजस्थान के चूरू के हासियावास तक 265 किलोमीटर तीन समानांतर पाइपलाइन बिछाई जाएगी। चूरू, सीकर, झुंझुनूं जिले को 577 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिलेगा।

यमुनानगर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता आरएस मित्तल ने बताया कि राजस्थान सरकार को पत्र भेज दिया गया है।

खुली नहर पर नहीं बनी बात - 2017 में भी राजस्थान की ओर से रिपोर्ट सीडब्ल्यूसी को भेजी गई थी। जिसके बाद 2019 में राजस्थान ने एक और प्रस्ताव भेजा था। फरवरी 2021 में संशोधित प्रस्ताव भेजा गया था। लेकिन हरियाणा की ओर मावी (पानीपत)से राजस्थान के हिस्से की निकासी के लिए एक बैराज बना कर खुली नहर से या ओखला से पानी लेने के लिए कहा।

पूरा पानी नहीं आने की आशंका से राजस्थान को यह मंजूर नहीं था। फरवरी 2024 में हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों के बीच समझौते के कार्यान्वयन के लिए एक नया एमओयू हुआ और उसके तहत अब पाइपलाइन पर हरियाणा ने लिखित में सहमति भेजी है।

10.4% पानी राजस्थान को मिलेगा

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं नयी दिल्ली के बीच 12 मई, 1994 को हुए यमुना जल समझौते के तहत हथिनीकुंड हेड से मानसून अवधि में 1917 क्यूसेक जल राजस्थान को आवंटित किया गया था।

समझौते के तहत कुल पानी का 40.6 प्रतिशत हरियाणा, 35.1 प्रतिशत यूपी, 10.4 प्रतिशत राजस्थान, 6.3 प्रतिशत दिल्ली और 1.7 प्रतिशत हिमाचल प्रदेश के बीच बंटवारा होना था।

फरवरी में हुआ नया MOU

फरवरी, 2024 में हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों के बीच समझौते के कार्यान्वयन के लिए एक नया एमओयू हुआ और उसके तहत अब पाइपलाइन पर हरियाणा ने लिखित में सहमति भेजी है। 1994 के एग्रीमेंट के अनुसार, मानसून के दौरान (जुलाई-अक्टूबर) अतिरिक्त पानी राजस्थान के चूरू, सीकर और झुंझुनूं जिलों में पहुंचाने की योजना है।

स्वस्थ जीवनशैली के संदेश के साथ निकली 'ईट राइट वॉकथॉन'

700 से अधिक नर्सिंग विद्यार्थी एवं आशा सहयोगिनियों की रही सहभागिता

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

संतुलित आहार एवं मिलेट्स के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बीकानेर में 'ईट राइट वॉकथॉन' का आयोजन किया गया। वॉकथॉन को सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बीकानेर प्रांगण से प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। वॉकथॉन में सात सौ से अधिक नर्सिंग विद्यार्थियों एवं आशा सहयोगिनियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने 'ईट राइट' के संदेश के साथ संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने तथा मोटे अनाज (मिलेट्स) को दैनिक भोजन में शामिल करने का आह्वान किया। वॉकथॉन सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से प्रारंभ होकर मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम, शास्त्री नगर में संपन्न हुई, जहां ईट राइट मिलेट्स मेले का आयोजन किया गया। मेले में मिलेट्स आधारित व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई तथा पोषण संबंधी

जानकारी आमजन को दी गई।

इस अवसर पर आरसीएचओ डॉ. भवानी शंकर गहलोत, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रवण कुमार वर्मा, सुरेंद्र कुमार, भानुप्रताप सिंह गहलोत, राकेश गोदारा, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील जैन, डॉ. कैलाश गहलोत, डॉ. शिवराज सिद्ध, मालकोश आचार्य सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ बीकानेर के संकल्प को सुदृढ़ करते हुए समुदाय में सही खानपान की आदतों को प्रोत्साहित करना रहा।

भिवाड़ी फैक्ट्री हादसे के बाद नीमराना में सख्ती: कलेक्टर ने उद्योगपतियों को दी कड़ी चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । भिवाड़ी फैक्ट्री में हाल ही में हु भीषण ब्लास्ट हादसे के बाद कोटपूतली- बहरोड़ जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। बुधवार को नीमराना औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगपतियों और फैक्ट्री संचालकों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा करना और भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोकने के लिए ठोस रणनीति तैयार करना था। बैठक की अध्यक्षता जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने की। उन्होंने रीको अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी औद्योगिक इकाइयों का अद्यतन विवरण जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं। प्रत्येक कंपनी में क्या उत्पादन हो रहा है, प्लांट किसके नाम संचालित है, भूमि आवंटन की स्थिति क्या है और सभी आवश्यक लाइसेंस एवं अनुमति पत्र वैध हैं या नहीं–इन सभी बिंदुओं की स्पष्ट जानकारी मांगी गई। कलेक्टर ने साफ शब्दों में कहा कि नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उद्योगपतियों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। फैक्ट्री परिसर में

अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास द्वार, श्रमिकों के लिए नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण, रसायनों का सुरक्षित भंडारण और विद्युत व्यवस्थाओं की समय-समय पर जांच अनिवार्य रूप से करने को कहा गया। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार ने स्पष्ट किया कि औद्योगिक क्षेत्रों में यदि सुरक्षा के प्रति लापरवाही पाई गई तो संबंधित संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने उद्योगपतियों से पारदर्शिता बनाए रखने और किसी भी संभावित जोखिम की जानकारी तुरंत देने की अपील की। बैठक में निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में सभी औद्योगिक इकाइयों का चरणबद्ध निरीक्षण किया जाएगा।

डांगर में क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ सम्मापन्न, मुख्य अतिथि युवा नेता दहिया ने विजेता टीम को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

चिड़ावा के नजदीकी ग्राम डांगर में आयोजित 14 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का बुधवार को भाजपा के युवा नेता मनीष दहिया के आतिथ्य में हुआ सम्मापन्न। इस दौरान ग्रामवासियों द्वारा दहिया को साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर किया स्वागत। दहिया के साथ में उपस्थित रहे शहीद सत्येंद्र सिंह के पिता पूर्ण सिंह सांखला, शहीद महावीर सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह एवं शहीद मेनपाल मीणा के भाई ग्यारसीलाल मीणा का ग्रामवासियों ने स्वागत किया। बतादे की ग्राम डांगर व ग्राम पीचानवां की टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह बनाई। फाइनल मैच में ग्राम पीचानवां की टीम के खिलाड़ियों द्वारा शानदार प्रदर्शन कर निर्धारित लक्ष्य को पार कर विशाल लक्ष्य हासिल करते हुए विजता टीम रही, तथा ग्राम डांगर की श्री

श्याम बाबा क्रिकेट क्लब टीम दूसरे स्थान पर रही। हालांकि फाइनल में पहुंची दोनों ही टीमों का प्रदर्शन शानदार रहा। मैच प्रतियोगिता के समापन के इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे भाजपा नेता मनीष दहिया ने पीचानवां की विजेता टीम को 51 हजार रुपयों की राशि भेंट कर सम्मानित किया। इसी क्रम में उप विजेता टीम श्री श्याम बाबा क्रिकेट क्लब डांगर को 31 हजार रूपये का नगद पुरस्कार भेट किय। साथ ही मैन ऑफ दा सीरीज़ के तौर पर पीचानवां टीम के हर्षित जांगीड़ को 5100 रुपये एवं ट्रॉफी से नवाजा गया तथा पीचानवां टीम के संजय कड़वासरा को बेस्ट बॉलर के तौर पर 2100 रुपयों का नगद पुरस्कार दिया गया, डांगर टीम के सुनिल झारीयां को बेस्ट मैन के तौर पर 2100 रुपये नगद से पुरस्कृत किया गया। दहिया ने बताया की डांगर में 5 फरवरी से आयोजित इस भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 45 टीमों ने हिस्सा लिया, सभी टीमों का प्रयास अमूल्य रहा। सभी में बढ़ चढ़ कर प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, बाहर से पधारी हुई सभी टीम के खिलाड़ियों एवं उनके साथ आए सहयोगीयो का समस्त डांगर के ग्रामवासीयो की तरफ से हृदय से आभार एवं साधुवाद । इस दहिया के साथ में तीनों वीर शहीदों के परिजन एवं सरपंच प्रतिनिधि विजय लमोरिया, हेतराम लमोरिया, भजनलाल मीणा, शंकरलाल लमोरिया, नेतराम लमोरिया, उमेद सिंह, राजेंद्र मीणा, संजय, समस्त ग्रामवासी मौजूद रहें।

पौंख में लाडो अनीशा की धूम धाम से निकाली बिंदोरी पिता नत्थू नायक व भाई नंदू नायक की अनूठी पहल

भीम प्रज्ञा न्यूज.चंवरा।

सुमेर मीणा । पौंख कस्बे के नायक बस्ती में बुधवार को लाडो अनीशाकी घोड़ी पर बैठाकर गाजे बाजे से बिंदोरी निकाली गई है। पिता नत्थू नायक ओर युवा मोर्चा के लीडर नंदू नायक के द्वारा की गई इस अनूठी पहल की गांव मोहल्ले में चर्चा है। इस अवसर पर इलाके के कई प्रतिष्ठित व्यक्ति मौजूद थे। आरडी

चिल्ड्रन एकेडमी के निदेशक मंगलचंद सैनी, आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा, पूर्व विधायक सहित कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता भी शामिल थे।

मानपुर में फ्रंटलाइन वर्कर्स का सम्मान, सीएसआर पहल से ग्रामीण स्वास्थ्य को मिली नई ताकत

भीम प्रज्ञा न्यूज.चित्तौड़गढ़।

ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सशक्तिकरण को नई दिशा देने की पहल करते हुए बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत मानपुर गांव में फ्रंटलाइन वर्कर्स सम्मान एवं प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यदायी संस्था पैक्स (एनजीओ) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, एएनएम तथा आशा सहयोगिनियों के समर्पण और सेवा भावना को सार्वजनिक मंच पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम केवल सम्मान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूती, मातृ-शिशु पोषण सुधार और सामुदायिक जागरूकता को लेकर एक सशक्त संदेश भी बनकर सामने आया। वक्ताओं ने कहा कि फ्रंटलाइन कर्मी ही सरकार की योजनाओं और

आमजन के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिनकी मेहनत से गांवों में स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार संभव हो पा रहा है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के सीडीपीओ मनीष मेघवाल, कार्यक्रम अधिकारी समता भटनागर, राकेश, कंपनी की सीएसआर प्रमुख पुष्पांजलि यादव, शिवगोविंद सहित संस्था की टीम और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सीएसआर प्रमुख पुष्पांजलि यादव ने कहा कि ग्रामीण विकास तभी संभव है जब स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा तीनों क्षेत्रों में समान रूप से काम किया जाए। उन्होंने फ्रंटलाइन वर्कर्स को समाज परिवर्तन के वास्तविक नायक' बताते हुए भविष्य में भी हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। सीडीपीओ मनीष मेघवाल ने कंपनी की सीएसआर पहल की सराहना करते हुए कहा कि विभाग और सामाजिक संस्थाओं के समन्वय से योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना आसान हो जाता है। उन्होंने फ्रंटलाइन कर्मियों की प्रतिबद्धता को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उनका कार्य केवल नौकरी नहीं बल्कि सामाजिक सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण है। कार्यक्रम अधिकारी समता भटनागर ने बताया कि सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र में स्वास्थ्य, पोषण, महिला सशक्तिकरण और बाल विकास से जुड़ी कई जमीनी चुनौतियों को कम करने में मदद मिली है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय क्षेत्र के कर्मियों की निरंतर मेहनत और सामुदायिक भागीदारी को दिया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले फ्रंटलाइन वर्कर्स को सम्मानित कर उपहार भेंट किए गए। साथ ही शिक्षा, आजीविका संवर्धन और प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रयास करने वाले युवाओं को भी मंच पर सम्मान मिला, जिससे कार्यक्रम में प्रेरणा और उत्साह का वातावरण बना रहा। ग्रामीणों ने इस पहल को सामाजिक सरोकार से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रयास बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल कर्मियों का मनोबल बढ़ाते हैं बल्कि समाज में सेवा भावना और सकारात्मक सोच को भी मजबूत करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कॉरपोरेट, प्रशासन और समुदाय के त्रिस्तरीय सहयोग का यह मॉडल ग्रामीण विकास के लिए प्रभावी उदाहरण साबित हो सकता है। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य जागरूकता, सामुदायिक भागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारी के समन्वय का एक सशक्त प्रतीक बनकर उभरा, जिसने यह संदेश दिया कि विकास तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

ऐसी करें लौकी की खेती

लौकी एक वार्षिक चढ़ाई वाली बेल है जिसमें जोरदार वृद्धि होती है। पौधे में सफेद रंग के फूल लगते हैं जो मांसल और बोतल के आकार के फल लगते हैं। लौकी का उपयोग खाना पकाने के उद्देश्य से किया जाता है। लौकी के स्वास्थ्य लाभ भी हैं। यह बेहतर पाचन में मदद करता है, चीनी के स्तर और कब्ज को कम करता है, अनिद्रा और मूत्र संक्रमण को ठीक करता है और अनिद्रा के इलाज के लिए अच्छा उपाय है।

फसल की किस्म

गोल किस्में : पूसा समर प्रोलिफिक राउंड, पूसा मंजरी (संकर किस्म) और पंजाब राउंड

लंबी किस्में : पूसा समर प्रोलिफिक राउंड

बीज दर

500–600 ग्राम प्रति एकड़।

बुवाई का समय

बुवाई का अनुकूल समय फरवरी–मार्च, जून–जुलाई और नवंबर–दिसंबर महीना है।

बीज उपचार

बीज को बाविस्टिन 0.2% 3ग्राम / किलो के साथ मृदा जनित कवक से बीजों को बचाने के लिए उपचारित किया जाता है।

उर्वरक

किलोग्राम/एकड : फार्म यार्ड खाद 20–25 टन / एकड़ प्रति लगायें। यूरिया श्र 60 किग्रा / एकड़ के रूप में नाइट्रोजन श्र 28 किग्रा / एकड़ की उर्वरक खुराक का आवेदन किया जाना चाहिए। नाइट्रोजन की पहली खुराक श्र 14 किग्रा / एकड़ (यूरिया श्र 30 किग्रा / एकड़) की बुवाई के समय दी जाती है और दूसरी डोज नाइट्रोजन की 14 किग्रा / एकड़ (यूरिया श्र 30 किग्रा / एकड़) की पहली खुराक के समय दी जाती है।

लौकी एक वार्षिक चढ़ाई वाली बेल है जिसमें जोरदार वृद्धि होती है। पौधे में सफेद रंग के फूल लगते हैं जो मांसल और बोतल के आकार के फल लगते हैं। लौकी का उपयोग खाना पकाने के उद्देश्य से किया जाता है। लौकी के स्वास्थ्य लाभ भी हैं। यह बेहतर पाचन में मदद करता है, चीनी के स्तर और कब्ज को कम करता है, अनिद्रा और मूत्र संक्रमण को ठीक करता है और अनिद्रा के इलाज के लिए अच्छा उपाय है।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार की रोकथाम के लिए 2–3 बार निराई गुड़ाई करे, गुड़ाई खाद डालने के समय करें। बरसात के मौसम में खरपतवार की रोकथाम के लिए मिट्टी चढ़ाना भी प्रभावी तरीका है।

सिंचाई

फसल को तत्काल सिंचाई की आवश्यकता होती है। बुवाई के बाद तत्काल सिंचाई दी जाती है। गर्मी के मौसम में 6–7 सिंचाई की आवश्यकता होती है और बरसात के मौसम में अगर जरूरत हो तो सिंचाई दी जाती है। कुल मिलाकर, 9 सिंचाई की आवश्यकता होती है।

विकास के प्रारंभिक चरणों के दौरान 3–4 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते हैं, और फूल और फलने के दौरान वैकल्पिक दिन के अनुसार, फर सिंचाई एक आदर्श विधि है। बरसात के मौसम में जल निकासी पौधे के अस्तित्व और विकास के लिए आवश्यक है।

फसल की अवधि

फसल की अवधि 120 दिन है। जनवरी–मार्च और सितंबर–दिसंबर बोतल लौकी उगाने के लिए आदर्श मौसम हैं।

कटाई का समय

किस्म और मौसम के आधार पर, फसल 60–70 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। बाजार की आवश्यकता के आधार पर, मध्यम और निविदा फल काटे जाते हैं। परिपक्व फल ज्यादातर बीज उत्पादन उद्देश्य के लिए संग्रहीत किए जाते हैं। तेज चाकू की मदद से बेलों से फलों को काटें। तुड़ाई के सीजन में, हर 3–4 दिनों में फलों की तुड़ाई करनी चाहिए।

सफाई और सुखाने

लौकी की अन्य किस्मों से 800 मीटर की दूरी रखें। रोगग्रस्त पौधों को खेत से हटा दें। बीज उत्पादन के लिए, फलों की कटाई तब की जाती है जब वे शारीरिक रूप से परिपक्व हो जाते हैं। टाइप टू सीड के उत्पादन के लिए तीन फील्ड निरीक्षण आवश्यक हैं। कटाई के बाद, फलों को सुखाया जाता है और फिर बीज निकाले जाते हैं।

उत्पादन क्षमता

उत्पादन 40–45 टन / हेक्टेयर है। एक हेक्टेयर भूमि पर खेती करने के लिए लगभग 3–4 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

सहजन की वैज्ञानिक खेती

सहजन बिहार के किसानों के लिए एक बहुवर्षिक सब्जी देनेवाला जाना–पहचाना पौधा है। गाँव देहात में सहजन बिना किसी विशेष देखभाल के किसान अपने घरों के आसपास दो–एक पेड़ लगाकर रखते हैं, जिसके फल का उपयोग वे साल में एक बार जाड़े के दिनों में सब्जी के रूप में करते हैं।

ऐसा देखा जा रहा है कि बाजार में सहजन का फूल, छोटा–नन्हा कोमल सहजन से लेकर बड़ा और मोआसहजन भी ऊँचे दामों में बिकता है। दक्षिण भारतीय लोग सहजन के फूल, फल, पत्ती का उपयोग अपने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में सालों भर करते हैं भारत ही नहीं बल्कि फिलीपिंस, हवाई, मैक्सिको, श्रीलंका, मलेशिया आदि देशों में सहजन विशेष रूप से उपयोग में लाया जाता है। सहजन के बीज से तेल भी निकाला जाता है। बीज को उबालकर सुखाने और फिर पाउडर बनाकर विदेशों में निर्यात भी किया जा रहा है। सहजन में औषधीय गुण प्रचुर मात्रा में है और इसके पौधे के सभी भागों का उपयोग विभिन्न कार्यो में किया जाता है।

मिट्टी

सभी प्रकार की मिट्टियों में सहजन की खेती की जा सकती है। यहाँ तक कि बेकार, बंजर और कम उर्वरा भूमि में भी इसकी खेती की जा सकती है, परन्तु व्यवसायिक खेती के लिए साल में दो बार फलनेवाला सहजन के प्रभेदों के लिए 6–7.5 पी.एच. मान वाली बलुई दोमट मिट्टी बेहतर पाया गया है।

सहजन भारतीय मूल का मोरिन्गासाए परिवार का सदस्य है। इसका वनस्पतिक नाम मोरिंगा ओलीफेरा है। सामान्यतया यह एक बहुवर्षिक, कमजोर तना और छोटी–छोटी पत्तियों वाला लगभग दस मीटर से भी उंचा पौधा है। यह कमजोर जमीन पर भी बिना सिंचाई के सालों भर हरा–भरा और तेजी से बढने वाला पौधा है। हाल के दिनों में सहजन का साल में दो बार फलने वाला वार्षिक प्रभेद तैयार किया गया है, जो न सिर्फ उत्पादन ज्यादा देता है बल्कि यह प्रोटीन, लवण, लोहा, विटामिन–बी, और विटामिन–सी. से भरपूर है। बिहार के किसानों और खासकर अपनी भू–भागीय पसंद के कारण सहजन दियारा क्षेत्र के किसानों के लिए उनकी फसल प्रणाली का एक आर्थिक महत्व का उपयुक्त फसल हो सकता है।

जलवायु : सामान्यतया 25–300 के औसत तापमान पर सहजन के पौधा का हरा–भरा व काफी फैलने वाला विकास होता है। यह ठंढ को भी सहता है। परन्तु पाला से पौधा को नुकसान होता है। फूल आते समय 400 से ज्यादा तापमान पर फूल झड़ने लगता है। कम या ज्यादा वर्षा से पौधे को कोई नुकसान नहीं होता है। यह विभिन्न पारिस्थितिक अवस्थाओं में उगने वाला एक ढीठ स्वभाव का पौधा है।

सहजन प्रभेद

सहजन का साल में दो बार फलने वाले प्रभेदों में पी.के.एम.1, पी.के.एम.2, कोयेंबटूर 1 तथा कोयेंबटूर 2 प्रमुख हैं। इसका पौधा 4–6 मीटर उंचा होता है तथा 90–100 दिनों में इसमें फूल आता है। जरूरत के अनुसार विभिन्न अवस्थाओं में फल की तुड़ाई करते रहते हैं। पौधे लगाने के लगभग 160–170 दिनों में फल तैयार हो जाता है। साल में एक पौधा से 65–170 दोनों में फल तैयार हो जाता है। साल में एक पौधा से 65–70 सें.मी. लम्बा तथा औसतन 6.3 सेंमी. मोटा, 200–400 फल (40–50 किलोग्राम) मिलता है। यह काफी गूदेदार होता है तथा पकाने के बाद इसका 70 प्रतिशत भाग खाने योग्य होता है। इसके पौधे से 4–5 वर्षो तक पेड़ी फसल लिया जा सकता है। प्रत्येक वर्ष फसल लेने के बाद पौधे को जमीन से एक मीटर छोड़कर काटना आवश्यक है।

खेत की तैयारी

सहजन के पौध की रोपनी में गड्ढा बनाकर किया जाता है। खेत को अच्छी तरह खरपतवार से साफ़–सफाई का 2.5 × 2.5 मीटर की दूरी पर 45 × 45 × 45 सेंमी. आकार का गड्ढा बनाते हैं। गड्ढे के उपरी मिट्टी के साथ 10 किलोग्राम सड़ा हुआ गोबर का खाद मिलाकर गड्ढे को भर देते हैं। इससे खेत पौध के रोपनी हेतु तैयार हो जाता है।

प्रबर्द्धन

सहजन में बीज और शाखा के टुकड़ों दोनों से ही प्रबर्द्धन होता है। अच्छी फलन और साल में दो बार फलन के लिए बीज से प्रबर्द्धन करना अच्छा है। एक हेक्टेयर में खेती करने के लिए 500 ग्राम बीज पर्याप्त है। बीज को सीधे तैयार गड्ढों में या फिर पॉलीथीन बैग में तैयार कर गड्ढों में लगाया जा सकता है। पॉलीथीन बैग में पौध एक महीना में लगाने योग्य तैयार हो जाता है।

शस्य प्रबंधन

एक महीने के तैयार पौध को पहले से तैयार किए गये गड्ढों में माह जुलाई–सितम्बर तक रोपनी कर दें। पौध जब लगभग 75 सेंमी. का हो जाये तो पौध के ऊपरी भाग की खोटनी कर दें, इससे बगल से शाखाओं को निकलने में आसानी होगी। रोपनी के तीन महीने के बाद 100 ग्राम यूरिया + 100 ग्राम सुपर फास्फेट + 50 ग्राम पोटाश प्रति गड्ढा की दर से डालें तथा इसके तीन महीने बाद 100 ग्राम यूरिया प्रति गड्ढा का पुनः व्यवहार करें। सहजन पर किए गए शोध से यह पाया गया कि मात्र 15 किलोग्राम गोबर की खाद प्रति गड्ढा तथा एजोसपिरिलम और पी.एस.बी. (5 किलोग्राम/हेक्टेयर) के प्रयोग से जैविक सहजन की खेती, उपज में बिना किसी ह्रास के किया जा सकता है।

सिंचाई

अच्छे उत्पादन के लिए सिंचाई करना लाभदायक है। गड्ढों में बीज से अगर प्रबर्द्धन किया गया है तो बीज के अंकुरण और अच्छी तरह से स्थापन तक नमी का बना रहना आवश्यक है। फूल लगने के समय खेत ज्यादा सूखा या ज्यादा गीला रहने पर दोनों ही अवस्था में फूल के झड़ने की समस्या होती है।

पौधा संरक्षण

सहजन पर सबसे ज्यादा आक्रमण बिहार में भुआ पिल्लू नामक कीट से है इसे अगर नियंत्रित नहीं किया जाय तो यह सम्पूर्ण पौधे की पत्तियों को खा जाता है तथा आसपास में भी फ़ैल जाता है। अंडा से निकलने के बाद अपने नवजात अवस्था में यह कीट समूह में एक स्थान पर रहता हैं बाद में भोजन की तलाश में यह सम्पूर्ण पौधों पर बिखर जाता है। इसके नियंत्रण के लिए सरल और देशज उपाय यह है कि कीट के नवजात अवस्था में सर्फ को घोलकर अगर इसके ऊपर डाल दिया जाय तो सभी कीट मर जाते हैं। वयस्क अवस्था में जब यह सम्पूर्ण पौधों पर फ़ैल जाता है तो एकमात्र दवा डाइक्लोरोवास (नूभान) 0.5 मिली. एक लीटर पानी में घोलकर पौधों पर छिड़काव करने से तत्काल लाभ मिलता है।

सहजन के दूसरे कीट में कभी–कभी फल पर फल मक्खी का आक्रमण होता है। इस कीट के नियंत्रण हेतु भी डाइक्लोरोवास (नूभान) 0.5 मिली. दवा एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने पर कीट का नियंत्रण होता है।

फल की तुड़ाई एवं उपज

साल में दो बार फल देनेवाले सहजन की किस्मों की तुड़ाई सामान्यतया फरवरी–मार्च और सितम्बर–अक्टूबर में होती है। प्रत्येक पौधे से लगभग 200–400 (40–50 किलोग्राम) सहजन सालभर में प्राप्त हो जाता है। सहजन की तुड़ाई बाजार और मात्रा के अनुसार 1–2 माह तक चलता है। सहजन के फल में रेशा आने से पहले ही तुड़ाई करने से बाजार में मांग बनी रहती है और इससे लाभ भी ज्यादा मिलता है।

सहजन का गुण एवं उपयोग

सहजन बहुउपयोगी पौधा है। पौधे के सभी भागों का प्रयोग भोजन, दवा औद्योगिक कार्यो आदि में किया जाता है। सहजन में प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व व विटामिन है। एक अध्ययन के अनुसार इसमें दूध की तुलना में चार गुणा पोटाशियम तथा संतरा की तुलना में सात गुणा विटामिन सी. है।

सहजन का फूल, फल और पत्तियों का भोजन के रूप में व्यवहार होता है। सहजन का छाल, पत्ती, बीज, गोंद, जड़ आदि से आयुर्वेदिक दवा तैयार किया जाता है, जो लगभग 300 प्रकार के बीमारियों के इलाज में काम आता है। सहजन के पौधा से गूदा निकालकर कपड़ा और कागज उद्योग के काम में व्यवहार किया जाता है।

भारत वर्ष में कई आयुर्वेदिक कम्पनी मुख्यतः 'संजीवन हर्बल' व्यवसायिक रूप से सहजन से दवा बनाकर (पाउडर, कैप्सूल, तेल बीज आदि) विदेशों में निर्यात कर रहे हैं।

दियारा क्षेत्र में सहजन के नये प्रभेदों की खेती को बढ़ावा देकर न सिर्फ स्थानीय व दूर–दराज के बाजारों में सब्जी के रूप में इसका सालों भर बिक्री कर आमदनी कमाया जा सकता है, बल्कि इसके औषधीय व औद्योगिक गुणों पर ध्यान रखते हुए किसानों के बीच में एक स्थाई दीर्घकालीन आमदनी हेतु सोच विकसित किया जा सकता है।

सहजन बिना किसी विशेष देखभाल एवं शून्य लागत पर आमदनी देनी वाली फसल है। किसान भाई अपने घरों के आस–पास अनुपयोगी जमीन पर सहजन के कुछ पौधे लगाकर जहां उन्हें घर के खाने के लिए सब्जी उपलब्ध हो सकेंगी वहीं इसे बेचकर आर्थिक सम्पन्नता भी हासिल कर सकते हैं।

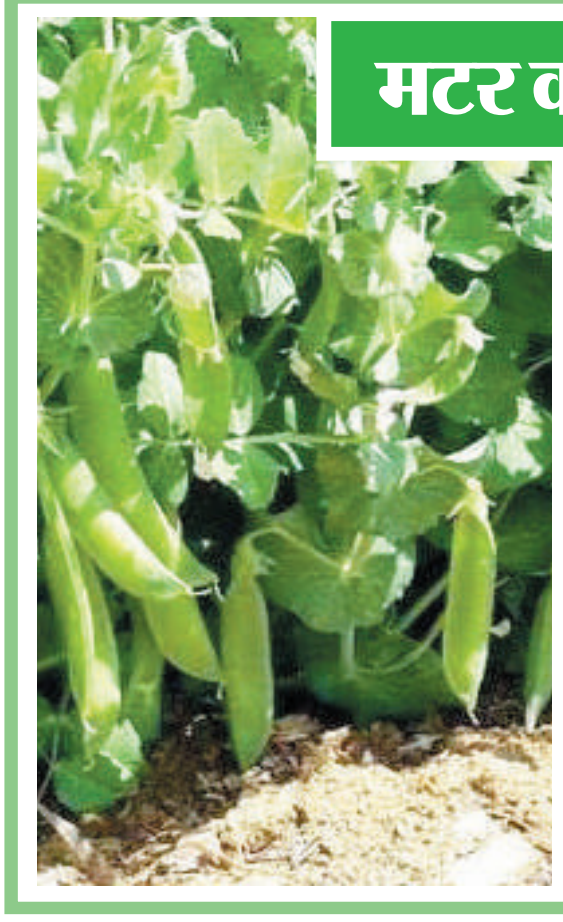

मटर की उन्नत खेती - मटर की खेती से धनवर्षा

भारत की एक महत्वपूर्ण फसल मटर को दलहनों की रानी की संज्ञा प्राप्त है। मटर की खेती, हरी फल्ली, साबूत मटर तथा दाल के लिये की जाती है। मटर की हरी फल्लियाँ सब्जी के लिए तथा सूखे दानों का उपयोग दाल और अन्य भोज्य पदार्थ तैयार करने में किया जाता है। चाट व छोले बनाने में मटर का विशिष्ट स्थान है। हरी मटर के दानों को सुखाकर या डिब्बा बन्द करके संरक्षित कर बाद में उपयोग किया जाता है। पोषक मान की दृष्टि से मटर के 100 ग्राम दाने में औसतन 11 ग्राम पानी, 22.5 ग्राम प्रोटीन, 1.8 ग्रा. वसा, 62.1 ग्रा. कार्बोहाइड्रेट, 64 मिग्रा. कैल्शियम, 4.8 मिग्रा. लोहा, 0.15 मिग्रा. राइबोफ्लेविन, 0.72 मिग्रा. थाइमिन तथा 2.4 मिग्रा. नियासिन पाया जाता है। फलियाँ निकालने के बाद हरे व सूखे पौधों का उपयोग पशुओं के चारे के लिए किया जाता है। दलहनी फसल होने के कारण इसकी खेती से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। हरी फल्लिओं के लिए मटर की खेती करने से उत्तम खेती और सामान्य परिस्थिओं में प्रति एकड़ 50–60 क्विंटल हरी फल्ली प्राप्त होती है।

बीज की मात्रा

अगेती बुवाई के लिए प्रति एकड़ 40–50 किलोग्राम बीज की आवश्यकता पड़ती है।

बुवाई का समय

मटर की खेती के लिए अक्टूबर–नवंबर माह का समय उपयुक्त होता है।

बुवाई का तरीका

मटर की बुवाई सीडड्रिल द्वारा की जाती है।

दुरी और गहराई

30 सेंमी. की दूरी पर और बीज की गहराई 5–7 सेंमी. रखनी चाहिये जो मिट्टी की नमी पर निर्भर करती है।

बीज उपचार

बुवाई करने से पहले बीजों को मेंकोजेब या केप्टान या थीरम 3 ग्राम /किलो बीज से बीज उपचारित करना चाहिए। तथा रासायनिक तरीके से बीज उपचार करने के बाद राइजोबियम कल्चर को गुड़ और पानी के घोल के साथ बीज उपचार करने से उत्पादन में वृद्धि होती है। ध्यान रहे राइजोबियम से उपचारित करने के 4–5 दिन पहले रासायनिक फफूंदनाशक से बीजों को उपचारित कर लेना चाहिए।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

मटर की खेती अच्छे उत्पादन के लिए बुवाई से पूर्व खेत तैयार करते समय वर्मी कम्पोस्ट या अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद मिट्टी में अच्छी तरह से मिला देनी चाहिए। रासायनिक उर्वरक की मात्रा नाइट्रोजन 20 किलो, फास्फोरस 25 किलो की मात्रा प्रति एकड़ में प्रयोग करें। और पोटाश की कमी वाले क्षेत्रो में 20 किलो पोटाश/एकड़ प्रयोग करें। ध्यान रासायनिक उर्वरक मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही प्रयोग में लाये।

शाहजहांपुर कस्बे के लिए बड़ी सौगातः एमडीआर-206 पर 3 करोड़ से सीसी रोड और नाला निर्माण

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । राजस्थान की डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने राज्य बजट में नीमराना उपखंड क्षेत्र के शाहजहांपुर कस्बे के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की है। शाहजहांपुर-बड़ोद रोड (एमडीआर-206) पर सीसी रोड और नाला निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। करीब 3 किलोमीटर लंबाई में बनने वाली इस सीसी रोड के साथ नाले का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से राहत मिलेगी। बरसात के मौसम में सड़क पर जलभराव और कीचड़ की समस्या के कारण आमजन और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। नाला निर्माण होने से पानी की निकासी सुचारू होगी और सड़क सुरक्षित व टिकाऊ बनेगी। स्थानीय लोगों ने इस घोषणा का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। सड़क निर्माण से यातायात सुगम होगा, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और आसपास के गांवों को भी सीधा लाभ पहुंचेगा।

प्रकाशचंद नारेडा को मिली कांग्रेस सेवादल के नगर अध्यक्ष की कमान

संगठन विस्तार की रणनीति को मिला जमीनी चेहरा।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल देसाई की मंशा के अनुरूप तथा जोन प्रभारी राजेन्द्र सिंह अडवाना और संभाग प्रभारी रमेश मीना की स्वीकृति के तहत जिला-दौसा में कांग्रेस सेवादल के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया को निर्णायक गति देते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल के राज्य मुख्य आयोजक हेमसिंह शेखावत ने महवा विधानसभा क्षेत्र के मंडावर शहर के लिए नगर अध्यक्ष पद पर प्रकाश चंद नारेड़ा की नियुक्ति की है। यह नियुक्ति जिला प्रभारी आरपी मीना, जिलाध्यक्ष गजानन्द मधुकर और पूर्व महवा विधायक ओमप्रकाश हुडला की अनुशंसा पर की गई है, जिसे संगठनात्मक अनुशासन और सक्षम स्तर की स्वीकृति के साथ लागू किया गया। संगठन ने नियुक्ति के साथ यह अपेक्षा व्यक्त की है कि प्रकाश चंद नारेड़ा संगठन की वैचारिक प्रतिबद्धता, अनुशासन और सेवा भावना के अनुरूप मंडावर क्षेत्र में कांग्रेस सेवादल की इकाई को मजबूती देंगे, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करेंगे और बूथ से लेकर नगर स्तर तक संगठनात्मक ढांचे को प्रभावी बनाएंगे। नियुक्ति के बाद प्रकाश चंद नारेड़ा ने कहा कि वे संगठन हित को सर्वोपरि रखते हुए जनसंपर्क, प्रशिक्षण और सेवा गतिविधियों के माध्यम से सेवादल को मजबूत करेंगे तथा संगठन के निर्देशों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। इस नियुक्ति को मंडावर में कांग्रेस संगठन के पुनर्गठन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर संगठन की सक्रियता, समन्वय और अनुशासन को नई धार मिलने की उम्मीद है। नियुक्ति की सूचना मिलते ही उनके समर्थकों, सहयोगियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल बना हुआ है और बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है।

मंडावर नगरपालिका को अरसे बाद मिला पहला स्थायी ईओ, संभाला कार्यभार

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर के आदेशों के तहत प्रशासनिक कारणों से सुमेरसिंह मीणा, अधिशासी अधिकारी को आदेशों की प्रतीक्षा अवधि के दौरान निदेशालय से अग्रिम पदस्थापन करते हुए तत्काल प्रभाव से नगर पालिका मंडावर के रिक्त पद पर अधिशासी अधिकारी नियुक्त किया गया है। विभागीय आदेश सक्षम स्तर से अनुमोदित हैं और नवनियुक्त अधिकारी को नवपदस्थापित स्थान पर कार्यग्रहण कर पालना रिपोर्ट अविलंब भिजवाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी आदेश के क्रम में मंडावर नगर पालिका कार्यालय में कार्यवाहक ईओ प्रकाशचंद मीणा को अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है और वे अब पूर्व की तरह केवल बैजूपाड़ा के नायब तहसीलदार का ही कार्यभार संभालेंगे। पूर्ववर्ती ग्राम पंचायत के नगर पालिका में क्रमोन्नयन को साढ़े तीन वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी मंडावर को स्थायी अधिशासी अधिकारी न मिल पाना स्थानीय प्रशासन और शहरी विकास की गति के लिए लगातार चुनौती बना हुआ था। स्थायी नेतृत्व के अभाव में विकास योजनाओं की निरंतरता, जवाबदेही और निर्णय प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। इस रिक्तता के समाप्त होने से नगर पालिका के प्रशासनिक ढांचे को स्थायित्व मिला है और विकास कार्यों में अपेक्षित गति आने की संभावना सुदृढ़ हुई है। स्थानीय स्तर पर यह नियुक्ति विधायक राजेन्द्र मीणा के सतत प्रयासों का परिणाम मानी जा रही है, जिनके माध्यम से लंबे समय से लंबित प्रशासनिक मांग को विभागीय स्तर पर संज्ञान मिला। बुधवार को नवनियुक्त स्थायी अधिशासी अधिकारी सुमेर सिंह मीणा ने नगर पालिका मंडावर कार्यालय पहुंचकर विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर कार्यालय के कर्मचारियों और उपस्थित नागरिकों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यभार ग्रहण के बाद सुमेर सिंह मीणा ने स्पष्ट किया कि शहरी विकास की योजनाओं को समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारना, पालिका क्षेत्र के आमजन से जुड़ी समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी निस्तारण करना तथा नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि कानूनसम्मत प्रशासन, वित्तीय अनुशासन और जवाबदेह व्यवस्था के साथ नगर पालिका को सेवा-केंद्रित संस्था के रूप में सशक्त किया जाएगा। कार्यक्रम में पालिका जेईएन मिथलेश मीणा, एएओ लेखराज मीणा, वरिष्ठ सहायक मुरारी सैनी, कनिष्ठ सहायक उदयसिंह मीणा सहित सफाई कर्मचारी और पालिका का अन्य समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

शाहजहांपुर में खतरा बन गई बिखरी गिट्टियां, दोपहिया चालकों को हो रही परेशानी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड क्षेत्र के शाहजहांपुर कस्बे के राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर टोल टैक्स से आगे दिल्ली से जयपुर की ओर जाने वाली सर्विस रोड पर बिखरी गिट्टियां राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन गई हैं। हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान गिट्टियों को पुलिस लाइन के पास ही डाल दिया गया, लेकिन उन्हें हटाने या व्यवस्थित करने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। दोपहिया वाहन चालकों को इन गिट्टियों के ऊपर से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे टायर फिसलने और संतुलन बिगड़ने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवारों के लिए यहां से सुरक्षित निकलना मुश्किल हो गया है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों का इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं है। यदि समय रहते गिट्टियों को नहीं हटाया गया तो यह लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि सर्विस रोड पर बिखरी गिट्टियों को तुरंत हटाकर सड़क को साफ कराया जाए, ताकि राहगीरों और वाहन चालकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके और संभावित हादसों को रोका जा सके।

ईमानदारी का मिला फलः रामनिवास बड़गूजर बने ASI, पुलिस महकमे और क्षेत्र में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.रामगढ़।

अलवर । राजस्थान पुलिस में अपनी कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी के लिए पहचाने जाने वाले रामनिवास बड़गूजर ने सफलता की एक नई सीढ़ी चढ़ी है। खैरथल जिले के मूल निवासी बड़गूजर का हेड कांस्टेबल से सहायक उप-निरीक्षक (ASI) के पद पर प्रमोशन हुआ है।

साधारण परिवार, असाधारण मेहनत

रामनिवास एक बेहद साधारण मेघवाल परिवार से ताल्लुक रखते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और ईमानदारी को कभी कम नहीं होने दिया। उनकी यह पदोन्नति न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे मेघवाल समाज और खैरथल-अलवर क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। वर्तमान में वे अलवर जिले के रामगढ़ पुलिस थाने में तैनात हैं। क्षेत्र में उनकी छवि एक मिलनसार और ईमानदार पुलिस अधिकारी की रही है, जिसके चलते प्रमोशन की खबर मिलते ही साथी पुलिसकर्मियों और स्थानीय नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। यह प्रमोशन मेरी मेहनत और विभाग के प्रति मेरी निष्ठा का परिणाम है। मेरा प्रयास रहेगा कि नए पद पर भी पूरी ईमानदारी से आमजन की सेवा कर सकूँ।

शालिना खान बनीं राजस्थान खेल प्रकोष्ठ की पहली मुस्लिम महिला प्रदेश महासचिव

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/राजस्थान।

खेल जगत और राजनीति के क्षेत्र में आज एक नया इतिहास रचा गया है। राजस्थान खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान ने शालिना खान की कार्यकुशलता और समर्पण को देखते हुए उन्हें राजस्थान प्रदेश महासचिव की अहम जिम्मेदारी सौंपी है।शालिना खान इस पद पर नियुक्त होने वाली राजस्थान की पहली मुस्लिम महिला बन गई हैं। इस घोषणा के बाद से ही उनके परिवार, मित्रों और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। उनकी यह नियुक्ति प्रदेश में महिला नेतृत्व को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है। अपनी इस नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए शालिना खान ने कहा कि मैं आदरणीय अमीन पठान का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने मुझ पर यह विश्वास जताया है। मेरा लक्ष्य खेल प्रकोष्ठ को सशक्त बनाना और प्रदेश के खिलाड़ियों के विकास के लिए पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से कार्य करना है। मुझे सौंपी गई हर जिम्मेदारी को मैं पूरी प्रमाणिकता से निभाऊँगी।'

मंडावा में फाल्गुनी गीतो की बहार ओर सांस्कृतिक कार्यक्रमो का सिलसिला जारी

ढप की थाप बांसुरी की धून और फाल्गुनी गीतो पर जमकर थिरके विदेशी पर्यटक

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । शेखावाटी अंचल का कस्बा मंडावा होली के नजदीक आते ही होली के रंगो में रंगने लगा है। पर्यटन क्षेत्र में विशिष्ट पहचान के साथ साथ यहां पर विभिन्न त्यौहारों को मनाने की एक अलग ही पहचान है। यहां की धुलंडी मनाने की परंपरा विश्व स्तर पर पहचान रखती हैं। सर्व हितैषी व्यायाम शाला मे धर्म ध्वज स्थापना के साथ ही यहां 40 दिवसीय कार्यक्रमो का आगाज हो जाता है। यह परंपरागत विगत 125 वर्षों से अधिक समय से चली आ रही है। चारो तरफ फाल्गुनी गीतो की बहार ओर सांस्कृतिक कार्यक्रमो का सिलसिला जारी है। कार्य्रकमो के इस दौर में स्थानीय लोगो के साथ दूरदराज रहने वाले शेखावाटी की धरा से जूड़े प्रवासी बंधुजन ओर विदेशी पर्यटक जमकर राजस्थानी लोक परंपराओं के तहत होने वाले फाल्गुनी कार्यक्रमों का आनंद उठा रहे है। कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों के साथ विदेशी सैलानी भी कार्यक्रमों में शामिल हो कर भारतीय संस्कृति ओर राजस्थानी लोक परम्पराओं से रूबरू होकर फाल्गुनी गीतों में शिरकत करते हुए जमकर लुफ्त उठा रहे हैं। कार्यक्रमों के इस दौर में मुख्य बाजार में फतेहपुर स्टैंड पर चेस क्लब कार्यालय में लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। होली से पुर्व आयोजित होने वाले सांस्कृतिक ओर फाल्गुली कार्यक्रम में ढप मंडलियों द्वारा एक से बढ़कर एक लोक गीतो की प्रस्तुतिया देकर प्रवासी ओर विदेशी लोगो को झुमने को विवश कर दिया। इस अवसर पर केशरदेव टेलर, मनोज सोनी, ओम प्रकाश चोटिया, नरेंद्र कुमार नरेड़ा, बीलू सोनी,

शेखावाटी अंचल के सिद्ध संत महात्माओं का लक्ष्मणगढ़ के बागड़ी हाउस में हुआ समागम

संतों के श्रीमुख से देर रात तक बही भजनों की अमृत वर्षा में जमकर थिरके प्रवासी श्रद्धालु

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

शेखावाटी अंचल के सिद्ध संत महात्माओं का लक्ष्मणगढ़ के बागड़ी हाउस में समागम हुआ। अवसर था महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास समिति लक्ष्मनगढ के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी दम्पति व उनके पुत्र राकेश कुमार बागड़ी दम्पति के वैवाहिक वर्षगांठ समारोह की गोल्डन व सिल्वर जुबली समारोह की पूर्व संध्या पर संतों के सानिध्य आयोजित भजन कीर्तन का । इस अवसर पर संतों के श्रीमुख से देर रात तक भजनों की अमृत वर्षा हुई ।इस दौरान प्रवासी व स्थानीय श्रद्धालु भक्त भजनों पर जमकर थिरके । आयोजित भजन संध्या में शेखावाटी अंचल के सिद्ध संत विकास नाथ महाराज, निश्चल नाथ महाराज ,चीमा बाबा, दिलीप दास महाराज, स्मृति नाथ महाराज, महेश नाथ महाराज, दीनानाथ महाराज ने देर रात तक भजनों की अमृत वर्षा की। इससे पूर्व संत महात्माओं ने बालाजी महाराज की पूजा अर्चना की । जबकि बागड़ी परिवार की ओर से अनिल कुमार, महेश कुमार, राकेश कुमार, प्रेम प्रकाश, मुकेश कुमार, रूपेश कुमार, उज्जवल, मनन, साहिल ,कबिर, ध्रुव आदि ने संत महात्माओं का गजरा माला पहनाकर, भगवा शॉल ओढ़ाकर व कवर भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान संतों ने मुम्बई, हैदराबाद, बैंगलौर, दिल्ली, जयपुर से पधारे प्रवासी गिरधारीलाल राकसिया, रामस्वरूप जोशी, पृथ्वीराज गौड़, महावीर गौड़, संपत गौड़, राजकुमार कम्मा, सुनील बबेरवाल, पूनमचंद मिटावा, अविनाश मिटावा आदि को दुपट्टा पहनाकर आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर स्थानीय भजन गायक कलाकारों ने भी शानदार भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र कुमार माली ने किया। जबकि बागड़ी परिवार ने आगंतुकों का आभार जताया।

सेवारत चिकित्सकों ने लगातार चौथे दिन काली पट्टी बांधकर किया रोगीयो का उपचार

चिकित्सकों की मुख्यद्वार पर हुई जीबीएम, प्रदेशाध्यक्ष डा अजय चौधरी को अवगत करवाया

डा राकेश साबू पर कार्यवाही होने तक जारी रहेगा जिलेभर में विरोध प्रदर्शन जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अखिल राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ , झुंझुनूं के आह्वान पर जीएमसी प्राचार्य डा राकेश साबू के तानाशाही एवं बर्बरतापूर्ण रवैये से छह माह में छह चिकित्सकों को बर्खास्त करने पर विरोध प्रदर्शन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जिलेभर के 175 संस्थानों के लगभग 400 चिकित्सक निरंतर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अरिसदा प्रवक्ता डा विजय झाझडिया ने बताया कि दौसा, हनुमानगढ़ जिलों ने भी विरोध प्रदर्शन करने का समर्थन दिया है।तथा राज्य अरिसदा प्रदेशाध्यक्ष डा अजय चौधरी को पूर्ण जानकारी दी गयी है। डा राकेश साबू के द्वारा तानाशाही एवं बर्बरतापूर्ण रवैये से छह माह में छह बर्खास्तगी से चिकित्सा वर्ग आहत एवं अपमानित महसूस कर रहा है। मुख्यमंत्री, चिकित्सा मंत्री एवं राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को ज्ञापन भिजवाया जा चूका है। मेडिकल कालेज में माईक्रोबायोलाजी एवं फार्मेकोलाजी विभाग में कोई फैकल्टी कार्यरत नहीं है। अकारण बर्खास्तगी से चिकित्सक अब बदनामित महसूस कर रहे हैं।अरिसदा अध्यक्ष डा एस ए जब्बार ने बताया कि चिकित्सकों द्वारा मरीजों को तनिक भी कष्ट नहीं हो इसलिए काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया जा रहा है । परंतु कार्यवाही नहीं होने पर अंततः कार्य बहिष्कार पर जाने को मजबूर होगें।

अरिसदा महासचिव डा राजेन्द्र ढाका ने बताया कि सेवारत पदनामित चिकित्सक बिना किसी मानदेय के अपने ही जिले की मेडिकल कालेज में शिक्षण सेवाएं प्रदान कर रहे थे।तथा फार्मेकोलाजी एवं माईक्रोबायोलोजी जैसे विभागों में फैकल्टी की भारी कमी है। इन विभागों में पदनामित चिकित्सकों के कारण ही राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा मान्यता प्रदान की गयी थी। परंतु राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग एवं राज्य सरकार की अनुमति के बिना ही उक्त चिकित्सकों को बर्खास्त करना निंदनीय कृत्य है। विरोध प्रदर्शन में इस दौरान अरिसदा महासचिव डा राजेन्द्र ढाका, डा श्रीराम दुलड़, डा अनिता गुप्ता, डा शीशराम गोठवाल,डा पुष्पा रावत, डा राजेन्द्र पायल, डा जगदेव सिंह, डा सुमन भालोठिया, डा कृष्णा, डा बंशीधर झाझडियां, डा मधु तंवर, डा आकांक्षा,डा मनीषा चौधरी, डा श्वेता, डा दीपक देवठिया,डा सपना झाझडियां ,डा राहुल सोनी,डा गौरव बूरी ,डा ईकराज अहमद,डा दुष्यंत बसेरा ,डा प्रियंका कस्वा, डा सुरेश मील,डा नेमीचंद,डा संदीप नेमीवाल,डा प्रमोद तेतरवाल,डा प्यारेलाल भालोठियां,डा विजेन्द्र ज्याणी ,डा अरविंद जाखड़ ,डा नवीन ,डा कपूर थालौर,डा पूनम चौधरी समेत चिकित्सकों ने विरोध प्रदर्शन किया । जिला अरिसदा के आह्वान पर उप जिला अस्पताल मलसीसर में डा सतवीर,डा दीपीका ,डा महिमा,डा योगेश,डा रमजान समेत चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया एवं रोगीयो को सेवाएं प्रदान की गयी। जिला अरिसदा के आह्वान पर उपजिला अस्पताल चिड़ावा में नितेश जागीड,डा नेहा सुथार,डा संदीप जांगीड़,डा मनोज जानू ,डा संदीप शर्मा समेत चिकित्सको ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। जिला अरिसदा के आह्वान पर सीएचसी सुल्ताना मे डा नेहा , डा अंजली,डा अल्का,डा अनूप समेत चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। जिला अस्पताल नवलगढ़ में अरिसदा झुंझुनूं के आह्वान पर विजय शर्मा डा अजीत चाहर ,डा जितेन्द्र चौधरी,डा संदीप चौधरी, डा सुधीर कुमार,डा शिवकरण जागृत, डा नेहा चौधरी, डा प्रदीप कुमार, डा सुभीता सुमन, डा सतवीर चाहर समेत चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया ।

निवर्तमान पार्षद और नगर परिषद ने सड़क पर डलवाया मलबा, दुकानदारों में रोष

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भांडोरिया । रेवाड़ी शहर के बूढ़पुर रोड पर रेलवे स्टेशन के निकट रास्ते में मलबा डाले जाने से स्थानीय दुकानदारों और आम राहगीरों में भारी रोष व्याप्त है। सड़क पर फैले मलबे के कारण न केवल व्यापार प्रभावित हो रहा है, बल्कि रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को भी गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय दुकानदारों का आरोप है कि निवर्तमान पार्षद और नगर परिषद की ओर से प्रस्तावित नई सड़क निर्माण के नाम पर रोड पर मलबा डाला गया है। बताया जा रहा है कि यहां जल्द ही नई सड़क का निर्माण किया जाएगा, लेकिन फिलहाल डाले गए मलबे ने हालात बदतर कर दिए हैं। दुकानदारों ने एकजुट होकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। उनका कहना है कि यदि सड़क को मौजूदा लेवल से ऊंचा उठाकर बनाया गया तो मुख्य मार्ग का बारिश का पानी सीधे दुकानों और अप्रोच गलियों में घुसेगा, जिससे भारी नुकसान हो सकता है। उन्होंने मांग की है कि सड़क का निर्माण दुकानों और आसपास की गलियों के लेवल के अनुसार ही किया जाए, ताकि भविष्य में जलभराव की समस्या न हो। मलबा डाले जाने के कारण सड़क ऊबड़-खाबड़ हो गई है। दुकानदारों के अनुसार, रोजाना स्कूटी और बाइक सवार अनबैलेंस होकर गिर रहे हैं। कई बार राहगीर बाल-बाल बचे हैं। वहीं, सड़क संकरी हो जाने से जाम की स्थिति भी बन रही है, जिससे लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। यह मार्ग रेलवे स्टेशन के पास होने के कारण काफी व्यस्त रहता है। ऐसे में मलबा डालकर छोड़ देना लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ जैसा प्रतीत हो रहा है। कुछ दुकानदारों ने बताया कि उनके यहां 20 फरवरी को बेटी की शादी है। सड़क पर मलबा डाले जाने से बारात और मेहमानों के आवागमन को लेकर चिंता बनी हुई है। उनका कहना है कि इस तरह की लापरवाही से खुशी के मौके पर भी तनाव का माहौल बन गया है। स्थानीय व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि या तो मलबा तुरंत हटाया जाए या फिर सड़क निर्माण कार्य को तय मानकों के अनुसार शीघ्र पूरा किया जाए।

जयपुर में 25वां कला मेला 17 मार्च से

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

राजस्थान ललित कला अकादमी एवं जवाहर कला केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में 25वें कला मेले का आयोजन जवाहर कला केन्द्र के शिल्पग्राम परिसर में दिनांक 17 से 21 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इस कला मेले में ऑक्टोनम पद्धति की करीब 110 स्टॉलों का निर्माण करवाया जाएगा। जिसमें राज्य के वरिष्ठ, युवा कलाकार, कला महाविद्यालयों के विद्यार्थी अपनी कृतियों का प्रदर्शन करेंगे। अकादमी सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि इस बार स्टॉल आवंटन के लिए आवेदन ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से गूगल फॉर्म में किया जायेगा जिसका लिंक अकादमी की अधिकारिक वेबसाइट, फेस बुक, इंसटाग्राम एवं अकादमी कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। इस कला मेला से संबंधित नियमावली की जानकारी गूगल फॉर्म में जनरेट त्त्र ष्थस्रद्ग से प्राप्त की जा सकती है। स्टॉल आवेदन हेतु गूगल फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 8 मार्च को रात्रि 12 बजे तक रहेगी उसके बाद गूगल फॉर्म लिंक स्वतः ही बंद हो जायेगा । चूंकि इस वर्ष अकादमी का यह 25वां कला मेला है जिसमें अन्य भाषायी अकादमियों के कार्यक्रम भी इस कला मेले में सम्मिलित किये जायेंगे। जिससे एक ही परिसर में कला एवं साहित्य का समागम रहेगा ।

अमृत स्टेशन मंडावर-महवा रोड का जीएम ने किया निरीक्षण

लाईन दोहरीकरण कार्य और संरक्षा व्यवस्था पर कसा शिकंजा।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेशपाल सिंह ने बुधवार को आगरा मंडल के मंडावर-महवा रोड रेलवे स्टेशन का विंडो-ट्रेलिंग के माध्यम से व्यापक और सघन निरीक्षण कर आगरा फोर्ट-बांदीकुई रेलखंड पर चल रहे दोहरीकरण कार्यों, ट्रैक संरक्षा और स्टेशन पुनर्विकास की प्रगति का मौके पर आकलन किया। चलती ऑब्जर्वेशन कार की पिछली खिड़की से किए गए इस विशेष निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेल पथ के साथ-साथ सिग्नल प्रणाली, ओएचई की स्थिति, प्लेटफॉर्म की गुणवत्ता, राइडिंग क्वालिटी विशेषकर प्वॉइंट एवं क्रॉसिंग पर ट्रैक जियोमेट्री इंडेक्स में सुधार की स्थिति, मार्ग में पड़ने वाले समपार फाटकों की कार्यशीलता तथा आरओबी और आरयूबी की उपलब्धता का बारीकी से अवलोकन किया और संरक्षा मानकों के अनुपालन पर विशेष जोर दिया। अमृत स्टेशन के रूप में चयनित मंडावर-महवा रोड स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन परिसर, प्रवेश द्वार, सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, टिकट काउंटर, जलपान गृह और शौचालय जैसी यात्री सुविधाओं का प्रत्यक्ष परीक्षण किया तथा चल रहे पुनर्विकास कार्यों और प्रस्तावित सुविधाओं की समयबद्धता, गुणवत्ता और उपयोगिता को लेकर अधिकारियों से गहन चर्चा की। निरीक्षण के दौरान

दोहरीकरण परियोजना की प्रगति, ओएचई रखरखाव, ट्रैक में सुधारात्मक कार्यों की निरंतरता और यात्री सुरक्षा से जुड़े प्रोटोकॉल के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए ताकि इस रेलखंड पर परिचालन क्षमता बढ़े और यात्रियों को सुरक्षित, सुगम व गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकें। निरीक्षण के अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने कुछ ट्रेनों के ठहराव सहित यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर ज्ञापन सौंपा, जिस पर महाप्रबंधक ने प्रासंगिकता के अनुरूप परीक्षण और नियमसम्मत कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस मौके पर मंडल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल, सचिव महाप्रबंधक अखिल शुक्ल सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, मंडावर-महवा रोड स्टेशन का समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। निरीक्षण से स्पष्ट संकेत मिला कि अमृत स्टेशन योजना के तहत मंडावर-महवा रोड स्टेशन को संरक्षा, सुविधा और क्षमता के उच्च मानकों पर विकसित कर क्षेत्रीय रेल सेवाओं को नई गति दी जाएगी।

टोहाना की वर्षों पुरानी मांग पूरी, नए बस अड्डे से बस सेवा प्रारंभ सांसद सुभाष बराला ने दिखाई हरी झंडी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए शहर के नए बस स्टैंड से बुधवार को बसों का औपचारिक संचालन शुरू कर दिया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने नए बस स्टैंड परिसर में बस को हरी झंडी दिखाकर परिवहन सेवाओं का शुभारंभ किया और इसे क्षेत्र की जनता को समर्पित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि टोहाना के लिए यह एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। नए बस स्टैंड के शुरू होने से यात्रियों को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह बस स्टैंड आमजन की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है, ताकि यात्रियों को एक ही परिसर में सभी आवश्यक सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने बताया कि नए बस स्टैंड में यात्रियों के लिए विश्राम गृह, स्वच्छ शौचालय, पेयजल व्यवस्था, बैठने की समुचित सुविधा तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। साथ ही परिवहन विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और बसों का संचालन समयबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि यह बस स्टैंड केवल एक भवन नहीं, बल्कि टोहाना के विकास और आधुनिक शहरी ढांचे की दिशा में एक मजबूत कदम है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि पुराने बस स्टैंड का स्थान भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में होने के कारण यात्रियों, दुकानदारों और आम नागरिकों को लगातार यातायात जाम और असुविधा का सामना करना पड़ता था। अब नए बस स्टैंड के शुरू होने से शहरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। हिसार रोड पर स्थित होने के कारण आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी सीधा लाभ मिलेगा और आवागमन अधिक सुगम होगा। उन्होंने जानकारी दी कि शहर के नागरिकों की सुविधा के लिए बस स्टैंड से लोकल बस सेवा भी प्रारंभ की जाएगी, जिससे शहर के भीतर आवागमन और अधिक सरल एवं सुचारु हो सकेगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के टोहाना दौरे के दौरान क्षेत्र के विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई थी। उसी दौरान नए बस स्टैंड की आवश्यकता पर सहमति बनी थी। बाद में बाईपास की घोषणा के चलते स्थान निर्धारण में समय लगा, किंतु स्थान तय होने के पश्चात निर्माण कार्य को गति देकर अब इसे पूर्ण कर जनता को समर्पित कर दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद ने बस परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहना भी हमारी जिम्मेदारी है। प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि टोहाना में जल्द ही नए बाईपास का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार के संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। साथ ही क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मेडिकल कॉलेज के निर्माण की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे, जिससे क्षेत्रवासियों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर एसडीएम आकाश शर्मा, डीएसपी उमेद सिंह, जीएम महेंद्र सिंह, टीएम सुरेंद्र सिंह, रमन मड़िया, नरेंद्र गर्ग, दलजीत नैन, जयदीप बराला, दीपक बंसल, जगमेल कटारिया, ललित मोहन, जिले सिंह बराला, एपीओ सुमित जांगड़ा, सुरेश दहिया, डीआई महेंद्र कुमार, गणेश सैनी, कुलदीप, गुरमीत डांगरा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

चिड़ावा: बिजली बिल जमा न करने वालों पर गिरेगी गाज, AVVNL ने जारी किया अल्टीमेटम

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (AVVNL) के चिड़ावा उपखंड कार्यालय ने विद्युत उपभोक्ताओं के लिए सख्त चेतावनी जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि जिन उपभोक्ताओं के बिजली बिल बकाया हैं, वे निर्धारित तिथि तक भुगतान कर दें, अन्यथा उनका कनेक्शन विच्छेद कर दिया जाएगा। सहायक अभियंता (वितरण) निधि मिश्रा द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, उपखंड क्षेत्र के उन सभी उपभोक्ताओं के खिलाफ राजस्व वसूली अभियान चलाया जाएगा जिनका बकाया 1000 रुपये से अधिक है और नियत तिथि के बाद बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। विभाग ने नगरपालिका चिड़ावा पर भी करोड़ों रुपये के बकाये का उल्लेख करते हुए बताया कि हाईमास्क लाइट कनेक्शन पर 51.19 लाख रुपये तथा सीवरेज विद्युत कनेक्शन पर 57.13 लाख रुपये बकाया हैं। समय पर भुगतान नहीं होने की स्थिति में शहर की हाईमास्क लाइटों और सीवरेज सिस्टम के कनेक्शन भी काटे जा सकते हैं। इसके अलावा अन्य राजकीय विभागों को भी बकाया राशि निर्धारित समय सीमा में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा उनके विरुद्ध भी विच्छेद की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सभी आम एवं विशेष उपभोक्ताओं से अपील की है कि किसी भी असुविधा और पेनल्टी से बचने के लिए तुरंत अपने बिजली बिलों का भुगतान सुनिश्चित करें।

थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई : दुकान में चोरी करने वाला आरोपी काबू

चोरी के सामान के साथ आरोपी शुभम @ बम्ब के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना शहर टोहाना पुलिस ने चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया गया और मामले में विधि अनुसार अभियोग दर्ज कर जांच जारी है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता दीपक पुत्र श्री राम कुमार निवासी वार्ड नं.20, हनुमान नगर, नजदीक मसाला फैक्टरी, दमकौरा रोड, टोहाना ने अपनी शिकायत में बताया कि दिनांक 05.10.2025 की रात को उन्होंने अपनी कन्फैक्शनरी दुकान बंद करके घर चले गए थे। अगले दिन सुबह लगभग 10:30 बजे दुकान पर लौटने पर उन्होंने देखा कि दुकान की पिछली दीवार टूट गई थी और सामान चोरी हो गया था। चोरी किए गए सामान में एक छोटा गैस सिलेंडर, एक कढ़ाई, एक स्पीकर, 50 पैकेट चिप्स, 20 कोल्ड ड्रिंक और अन्य कन्फैक्शनरी आइटम शामिल थे। शिकायत मिलने के बाद थाना शहर टोहाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शुभम @ बम्ब पुत्र टिटू निवासी वार्ड नं.13, गीता कॉलोनी, तोहाना को काबू किया। आरोपी के कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया गया। थाना शहर टोहाना में मुकदमा संख्या 333 दिनांक 11.10.2025, धारा 305, 331(4) BNS के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा और कानूनी प्रक्रिया के अनुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मामले की जांच आगे भी जारी है।

डंपर से भिड़ंत में पिकअप के परखच्चे उड़े: ड्राइवर के पैर फ्रैक्चर

भीम प्रज्ञा न्यूज

बाड़मेर । बालोतरा में बाड़मेर-जालोर स्टेट हाईवे पर डंपर और पिकअप के बीच जबरदस्ती भिड़ंत हो गई। इससे पिकअप के आगे का हिस्सा पूरी तरीके से पिचक गया। इससे दोनों गाड़ियों में सवार 3 जने घायल हो गए। वहीं पिकअप ड्राइवर बुरी तरह फंस गया था, जिसके पैर फ्रैक्चर हो गए। हादसा सिणधरी थाना इलाके वाकल माता मंदिर के पास बुधवार सुबह करीब 7 बजे हुआ। हादसे के बाद लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीएम मौके पर पहुंचे। लोगों से समझाइश की गई। करीब 2 घंटे के बाद जाम को खुलवाया गया। तीन घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों को बाड़मेर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार पिकअप गाड़ी में फ्रूट भरकर सिणधरी की तरफ जा रही थी। सणपा फांटा के पास लिफ्ट लेकर एक युवक सवार हो गया। वाकल माता मंदिर के पास सामने से आ रही डंपर और पिकअप की बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई। आसपास के लोगा भागकर पहुंचे। कड़ी मशक्कत से लोगों ने दोनों ड्राइवरों को गाड़ी से बाहर निकाला गया। युवक समेत ड्राइवरों को प्राइवेट गाडी से सिणधरी हॉस्पिटल भेजा गया है। सूचना मिलने पर सिणधरी पुलिस मौके पर पहुंची। फल फ्रूट हाईवे पर बिखर गए।

थाना सदर टोहाना पुलिस की कार्रवाई : 9.18 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी काबू एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना सदर टोहाना पुलिस ने गश्त के दौरान प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर नियमानुसार आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। थाना सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 17.02.2026 को पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी। जब टीम अक्कांवाली से गुलरवाला रोड की ओर नहर पुल के समीप पहुंची, तो पुल के किनारे खड़ा एक युवक पुलिस वाहन को देखकर घबराकर तेज़ी से आगे बढ़ने लगा। संदेह के आधार पर युवक को काबू कर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना नाम सुखविंद्र उर्फ कालिया पुत्र पोनी पुत्र दलबारा राम निवासी वार्ड नंबर 16, तिलक नगर, टोहाना, जिला फतेहाबाद बताया। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसकी पैंट की जेब से एक मोमी पाउच बरामद हुआ, जिसकी जांच करने पर उसमें 9.18 ग्राम हेरोइन पाई गई। बरामद मादक पदार्थ को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सील कर पुलिस

कब्जे में लिया गया। इस संबंध में थाना सदर टोहाना में मुकदमा नंबर 29 दिनांक 17.02.2026 धारा 21B/61/85 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच प्रगति पर है।

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने फतेहाबाद में परिचालन मानकों की विस्तृत समीक्षा की

सभी मानकों के अनुरूप कार्यों में ठोस सुधार सुनिश्चित करें : एम डी विक्रम सिंह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने बुधवार को स्थानीय सर्कल कार्यालय में ऑपरेशन सर्कल फतेहाबाद की ऑपरेशनल रिव्यू कमेटी (ओआरसी) बैठक की अध्यक्षता करते हुए निगम के विभिन्न परिचालन मानकों, उपभोक्ता सेवाओं, विकास योजनाओं एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में लंबित बिंदुओं, पीएम-एसजीएमबी योजना की प्रगति, लंबित सोलर बिलिंग मामलों, सडक़ों के मध्य स्थित विद्युत खंभों के स्थानांतरण, ट्यूबवेल कनेक्शनों की स्थिति, खतरनाक विद्युत लाइनों के शिफ्टिंग कार्य, 'मेरा गांव जगमग गांव' योजना की प्रगति, बिलिंग दक्षता, लाइन लॉस, एटी एंड सी लॉस, राजस्व वसूली, बिजली चोरी पर कार्रवाई, ट्रांसफार्मर डैमेज दर तथा मरम्मत कार्य सहित अन्य प्रमुख पैरामीटरों पर गहन चर्चा की गई। प्रबंध निदेशक ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की प्रगति की

विशेष समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना का लाभ प्रत्येक पात्र उपभोक्ता तक निर्धारित समयसीमा में पहुंचाया जाए। उन्होंने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने, उपभोक्ताओं को जागरूक करने तथा नए सौर कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी न होने देने पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सौर ऊर्जा अपनाने वाले लाभार्थियों को सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना के तहत वित्तीय सहायता एवं सब्सिडी समय पर उपलब्ध कराई जाएगी तथा अंत्योदय परिवारों को भी प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित किया जाएगा। नए सौर कनेक्शनों के लिए नेट मीटर की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने और गुणवत्तायुक्त सामग्री की आपूर्ति के लिए विश्वसनीय वेंडरों को प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए गए। विक्रम सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परिचालन मानकों में सुधार लाते हुए उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति के लिए क्षेत्रीय स्तर पर निगरानी और सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने बिजली की लाइनों और ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत और रखरखाव के कार्य को अप्रैल तक पूरा करने का निर्देश दिया ताकि बिजली आपूर्ति में गर्मी में कोई बाधा न आए। उन्होंने बिजली चोरी रोकने के लिए अधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया और बिजली चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने को कहा। उन्होंने बकाया बिजली बिल जमा कराने को लेकर स्पेशल कार्रवाही करने को कहा । बैठक उपरांत प्रबंध निदेशक ने फतेहाबाद स्टोर का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उनके साथ निदेशक (ऑपरेशन), मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता तथा स्टोर कंट्रोलर उपस्थित रहे। बैठक में निदेशक (ऑपरेशन) विपिन गुप्ता, मुख्य अभियंता (कमर्शियल) अनिल शर्मा, मुख्य अभियंता (ऑपरेशन) राजेंद्र सभरवाल, अधीक्षण अभियंता कमर्शियल एसके सिंह, सीबीओ वीरेंद्र लांबा, मॉनिटरिंग हरिदत्त, स्टोर कंट्रोलर एसएस कंटूरा सहित निगम मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। फतेहाबाद के अधीक्षण अभियंता शिव शंकर राय सहित सभी कार्यकारी अभियंता एवं उपमंडल अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

चिड़ावा में 'प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान-2026' के तहत जागरूकता व निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

पंचायत समिति चिड़ावा द्वारा चलाए जा रहे 'प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान-2026' के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकास अधिकारी अनिषा बिजारणिया ने ग्राम पंचायत चनाना का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत भवन, भारत निर्माण सेवा केन्द्र, श्री अन्नपूर्णा रसोई, मुख्य बाजार एवं बस स्टैंड सहित विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर सिंगल यूज प्लास्टिक कचरे का संग्रहण कराया गया। साथ ही दुकानदारों एवं वाणिज्यिक संस्थानों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए जागरूक किया गया और कचरा संग्रहण कार्य कर रहे संवेदक से फीडबैक भी लिया गया। श्री अन्नपूर्णा रसोई के निरीक्षण के समय

ग्रामीण महिलाओं को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन पर लागू प्रावधानों एवं जुर्माने से अवगत कराया गया। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी विजेन्द्र कुमार सोनी, ब्लॉक समन्वयक प्रवीण कुमार तथा ग्राम विकास अधिकारी रमन धनखड़ सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

तिलहन उत्पादन बढ़ाना वर्तमान समय की आवश्यकता- पूर्व विधायक दुड़ाराम

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन योजना के तहत जिला स्तरीय किसान मेला आयोजित

किसान मेले में एग्री स्टैक पंजीकरण करने के लिए किसानों को किया गया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन योजना के अंतर्गत लघु सचिवालय के नजदीक स्थित डीपीआरसी हॉल में डीसी डॉ. विवेक भारती के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक दुड़ाराम ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर मेले का शुभारंभ किया। मेले का उद्देश्य किसानों को तिलहन फसलों के उत्पादन, उन्नत बीजों, आधुनिक कृषि तकनीकों एवं वैज्ञानिक खेती पद्धतियों के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर पूर्व विधायक दुड़ाराम तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश सिहाग ने विभिन्न विभागों एवं कृषि कंपनियों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में उन्नत बीज, उर्वरक, आधुनिक कृषि यंत्रों तथा फसल सुरक्षा से संबंधित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। विशेषज्ञों ने किसानों को नई तकनीकों एवं उत्पादन बढ़ाने के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक दुड़ाराम ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि तिलहन उत्पादन बढ़ाना समय की आवश्यकता है, जिससे देश खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, आधुनिक उपकरणों तथा वैज्ञानिक खेती पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इससे उत्पादन लागत घटेगी और आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि किसानों को तकनीकी रूप

से सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उपनिदेशक डॉ. राजेश सिहाग ने बताया कि किसानों को अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए पारंपरिक खेती के साथ तिलहन फसलों को भी अपनाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन योजना के प्रावधानों की जानकारी देते हुए किसानों से एग्री स्टैक परियोजना के तहत पंजीकरण कर किसान आईडी बनवाने की अपील की, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से सीधे खातों में प्राप्त हो सके। मेले में पशुपालन एवं डेयरी विभाग, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग तथा कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों ने विभिन्न योजनाओं एवं तकनीकों की जानकारी दी। पशुधन बीमा योजना, पशु किसान क्रेडिट कार्ड, बागवानी प्रोत्साहन योजनाएं, मत्स्य पालन योजनाएं, प्राकृतिक खेती, मृदा संरक्षण तथा कृषि यंत्रों पर अनुदान से संबंधित विस्तृत जानकारी किसानों को प्रदान की गई। जिला स्तरीय किसान मेले में सैंकड़ो किसानों ने भाग लिया और प्रदर्शनी का लाभ उठाया। कृषि विकास अधिकारी राहुल चौहान ने मंच संचालन किया तथा उपनिदेशक डॉ. राजेश सिहाग ने मुख्य अतिथि, अधिकारियों एवं उपस्थित किसानों का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग ने किसानों को हर संभव तकनीकी सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई।

मंत्री आरती राव के प्रयासों से अटेली में बिजली का डिवीजन बनने जा रहा है, एक्सईन बैठेगा- दिनेश जेलदार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । बिजली वितरण निगम का अटेली में बिजली डिवीजन कार्यकारी अभियंता (एक्सईएन) कार्यालय खोलने की स्वीकृति होने पर मार्केट कमेटी चेयरमैन दिनेश जेलदार ने स्थानीय विधायक व मंत्री आरती राव का आभार प्रकट किया है। मंत्री के प्रयासों से यह बड़ा तोहफा मिला है। जिले में बिजली निगम का नारनौल, महेंद्रगढ़ के बाद नये अटेली व महेंद्रगढ़-2 के नाम से दो नये डिवीजन का स्वीकृत होना स्वास्थ्य मंत्री के विशेष प्रयासों को दर्शाता है। अटेली में कार्यालय खुलने के बाद अटेली क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को ट्रांसफार्मर, सिक्योरिटी चेक, एडिमिट्रिशन आदि के आर्डर यही हो जाएंगे। अटेली डिवीजन के अंतर्गत सीहमा व अटेली बिजली सब डिवीजन क्षेत्र शामिल होगा। डिवीजन बनने से प्रशासनिक नियंत्रण बिजली अधिकारियों के लिए क्षेत्र के प्रबंधन, नए कनेक्शन देने और पुरानी लाइनों को बदलने का काम अधिक व्यवस्थित रूप से करना आसान होता है। मार्केट कमेटी चेयरमैन ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के नेतृत्व में अटेली क्षेत्र का लगातार विकास हो रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं में तो सुधार होने के साथ दूसरे क्षेत्रों में भी विकास के कार्य तेजी से हो रहे हैं। अटेली को स्वास्थ्य मंत्री नंबर वन बनाने के लिए वह प्रयासरत है स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ दूसरी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए काम हो रहे है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर 20 फरवरी को जिला स्तरीय दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, खेल विभाग एवं जिला प्रशासन झुंझुनूं के संयुक्त तत्वावधान में विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर 20 फरवरी को 'दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता-2026' का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सामाजिक समावेशन, समान अवसर और समान अधिकार की भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन पूनिया ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य दिव्यांग खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध कराना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना तथा समाज को यह संदेश देना है कि दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

जिला खेल अधिकारी राजेश ओला ने जानकारी दी कि एक दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन जिला स्वर्ण जयंती स्टेडियम, झुंझुनूं में प्रातः 10 बजे से शुरू होगा। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों, संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े दिव्यांग खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता के अंतर्गत व्हीलचेयर रेस, 50 मी., 100 मी. एवं 400 मी. दौड़, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, व्हीलचेयर/ट्राईसाइकिल रेस तथा म्यूजिकल चेयर सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा तथा सांयकाल में प्रतियोगिता का समापन होगा।

गांवों में विकसित हो रहा विश्वस्तरीय खेल ढांचा : राज्यसभा सांसद सुभाष बराला

राज्य सभा सांसद सुभाष बराला ने गांव बैजलपुर में तीसरे विशाल खेल मेला में खिलाडियों का बढ़ाया हौसला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना/भूना।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने गांव बैजलपुर में आयोजित तीसरे विशाल खेल मेला में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। खेल मैदान में पहुंचने पर ग्रामीणों, युवाओं एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने उनका भव्य स्वागत किया। खिलाडियों को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि खेल केवल शारीरिक मजबूती का साधन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की आधारशिला हैं। खेलों से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत सिरसा लोकसभा क्षेत्र के युवाओं का पंजीकरण देशभर में टॉप टेन में रहा, जो इस क्षेत्र की बढ़ती खेल चेतना और युवा ऊर्जा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है और इससे अन्य युवाओं को भी खेलों की ओर प्रेरणा मिल रही है। सांसद ने कहा कि उनका प्रयास केवल प्रतियोगिताओं के आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित करना भी प्राथमिकता है। इसी दिशा में बैजलपुर में हॉकी का आधुनिक सिंथेटिक ट्रफ मैदान स्थापित किया गया है। यह सुविधा स्थानीय खिलाडियों को राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप अभ्यास का अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि अब ग्रामीण प्रतिभाओं को बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि अपने ही क्षेत्र में उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त भुना और आसपास क्षेत्र में भी खेल सुविधाओं का विस्तार

किया जा रहा है। भुना के राजकीय कॉलेज में फुटबॉल का आधुनिक सिंथेटिक ट्रफ मैदान निर्माणाधीन है, जो पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्र के फुटबॉल खिलाडियों के लिए एक बड़ी सौगात सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से ग्रामीण युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक माहौल मिलेगा और वे राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान सांसद ने गांव में स्थापित आधुनिक जिम का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि फिटनेस किसी भी खिलाड़ी की सफलता का मूल आधार है और यह जिम युवाओं को नियमित अभ्यास एवं शारीरिक सुदृढ़ता के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, अनुशासित जीवनशैली अपनाने और खेलों के माध्यम से अपने जीवन को नई दिशा देने का आह्वान किया। सांसद बराला ने विश्वास व्यक्त किया कि खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार से यह क्षेत्र आने वाले समय में खेल प्रतिभाओं का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि क्षेत्र के विकास और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, गांव के सरपंच हेमंत बैजलपुरिया, गुलशन हंस, मोलू राम रुल्हानिया, कंवल चौधरी, जयदीप बराला सहित ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, खेल आयोजन समिति के सदस्य, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे।

राजस्व विभाग के अधिकारी तय समय सीमा में करें कार्य को पूरा

5 दिनों से ज्यादा समय तक टोकन नहीं रहे पेंडिंगः डीसी फतेहाबाद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । डीसी डॉ. विवेक भारती ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला में किसी भी सूरत में इंतकाल के कार्य पेंडिंग नहीं रहने चाहिए और पेपरलेस रजिस्ट्री तिथि बद्ध तरीके से हो और टोकन 5 दिन से ज्यादा पेंडिंग न हो। डीसी बुधवार को राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। इससे पहले हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ.सुमिता मिश्रा ने चंडीगढ़ से वीसी के माध्यम से प्रदेशभर के उपायुक्त व राजस्व अधिकारियों को राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना सुनिश्चित की जाए। डीसी डॉ. भारती ने कहा कि राजस्व विभाग के कार्य आम जनता से जुड़े हुए है, इनका शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला राजस्व अधिकारी, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार हर सप्ताह राजस्व विभाग के कार्यों से संबंधित रिपोर्ट दें। डीसी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों एवं समस्याओं का तत्परता से समाधान करे। इनमें मुख्यतः डीड रजिस्ट्री, इंतकाल, निशानदेही, जमाबंदी, डिजिटल क्रॉप सर्वे, आवश्यक विभाजन मामले, राष्ट्रीय राजमार्ग के मध्यस्थता, सरकारी जमीन का ऑनलाइन रिकॉर्ड तैयार करना, एग्रीस्टेक पंजीकरण से संबंधित मामले शामिल है। उन्होंने कहा कि उक्त मामलों को लंबित न रखें, बल्कि उनका निपटारा किया जाए। इस अवसर पर एसडीएम राजेश कुमार, डीडीए डॉ. राजेश सिहाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहें।

टीबा में मनाया शहीद श्योराम गुर्जर का शहादत दिवस:पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड कामरान गाजी को मार गिराया था

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । खेतड़ी के टीबा गांव में बुधवार को सेना मेडल विजेता शहीद श्योराम गुर्जर का शहादत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष पूनम धर्मपाल गुर्जर, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल सुरेश जांगिड़ ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बलिदान को याद किया।

पुलवामा हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन में शहीद हुए

कर्नल सुरेश जांगिड़ ने अपने संबोधन में बताया कि शहीद श्योराम गुर्जर ने 14 फरवरी के पुलवामा हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन में अदम्य साहस का परिचय दिया था। उन्होंने पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड आतंकवादी कामरान गाजी को मार गिराया और मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। कर्नल जांगिड़ ने कहा कि उनका बलिदान युवाओं को देशसेवा के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।

शहीदों की प्रतिमाएं युवाओं को देश सेवा के लिए प्रेरित करती हैं

मुख्य अतिथि पूनम धर्मपाल गुर्जर ने कहा कि झुंझुनू जिले के युवा बचपन से ही देश सेवा के लिए प्रेरित होते हैं। वे सेना में शामिल होकर सरहद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिले के गांवों में सड़कों किनारे लगी शहीदों की प्रतिमाएं युवाओं को देश सेवा के लिए प्रेरित करती हैं और शहीद हमारे लिए पूजनीय हैं। कार्यक्रम के दौरान शहीद की वीरांगना सुनीता देवी को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सुनीता देवी ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने पति के बलिदान पर गर्व है। इस अवसर पर सरपंच कन्हैयालाल, प्रभु राजोता, उमेद सिंह, चुन्नीलाल, नारायण सिंह अवाना, कृष्णा, रूपचंद सिराधना, अमर सिंह, उमाशंकर शर्मा, हरिकिशन, संदीप कुमार, पप्पूराम, कमला देवी,आदि ।

डीसी अभिषेक मीणा ने मृतक कर्मचारी की आश्रित को दिया 28 लाख की सहायता राशि का चेक

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भांडोरिया । डीसी अभिषेक मीणा ने आज जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक मृतक कर्मचारी सुरेश कुमार की धर्मपत्नी को एक्सिस बैंक की ओर से 28 लाख रुपए की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। स्व. सुरेश कुमार जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत सीवरमैन के पद पर था। जिसकी आकस्मिक मृत्यु हो गई थी।

डीसी अभिषेक मीणा ने एक्सिस बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में सुरेश कुमार की पत्नी मोनिका देवी को सहायता राशि का चेक भेंट किया। कर्मचारी की पत्नी मोनिका देवी को 20 लाख रुपए तथा उसके दो बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए चार-चार लाख रुपए का चेक दिया गया। डीसी ने कहा कि आर्थिक सहायता से जान के नुकसान की तो भरपाई नहीं हो सकती, लेकिन यह राशि मुश्किल समय में परिवार को ज़रूरी सहारा दे सकती है। बैंक के ब्रांच हेड अभिषेक यादव ने बताया कि कर्मचारी स्व. सुरेश कुमार एचकेआरएनएल के माध्यम से जनस्वास्थ्य विभाग में सीवरमैन के पद पर कार्यरत था। उसकी आकस्मिक मृत्यु हो गई थी। बैंक नियमों के अनुसार कर्मचारी की मृत्यु पर परिवार को यह सहायता राशि प्रदान की गई है। एक्सिस बैंक ने स्व. सुरेश कुमार के बीमा दावे का त्वरित निपटान करते हुए उनके परिजनों को यह सहायता राशि प्रदान की। इस दौरान बैंक के को-ऑपरेटिव सैलरी हेड जितेंद्र यादव भी मौजूद रहे।

खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से महिलाओं में आती है आत्मविश्वास की भावना- डीसी अभिषेक मीणा

जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । डीसी अभिषेक मीणा ने कहा है कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। महिलाओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी इसी उद्देश्य से किया जाता है कि उनमें आत्मविश्वास की भावना और प्रबल हो तथा वे स्वावलंबी बनें।

डीसी अभिषेक मीणा आज स्थानीय पुलिस लाइन परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य महिलाओं को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना तथा खेल गतिविधियों के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। ये खेल प्रतियोगिताएं महिलाओं में आत्मविश्वास व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देती हैं। खेल स्पर्धाएं शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ-साथ आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि घर से बाहर निकल कर रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने से महिलाएं अपनी स्वतंत्रता का अनुभव कर सकती है, जिससे

संतुलित समाज का निर्माण होता है। जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा हर वर्ष खंड स्तर एवं जिला स्तर पर दो आयु वर्गों में इन खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिससे महिलाएं घर की सीमाओं से बाहर निकलकर अपने कौशल को पहचान सकें। उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर दिया जाता है। इससे पहले जिला के 6 खंडों में ये प्रतियोगिताएं करवाई गई थीं।

विजेताओं व नेशनल खिलाडियों को किया सम्मानित

तीस वर्ष से अधिक आयु वर्ग की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में सुमित्रा प्रथम, सरोज देवी द्वितीय व कुमारी कमलेश तृतीय स्थान पर रहीं। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में अनिता ने पहला, गीता ने दूसरा व मीना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सौ मीटर दौड़ स्पर्धा में अनोखी सबसे आगे रही, दूसरा स्थान मंजू व तीसरा स्थान आशा ने प्राप्त किया। 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के लिए 300 मीटर रेस स्पर्धा में अंतिम प्रथम, रेखा द्वितीय व नेहा तृतीय स्थान पर रही। चार सौ मीटर दौड़ में सोनिल ने पहला, प्रवीन ने दूसरा और आरती ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसी वर्ग की साइकिल रेस में सरिता ने सबसे आगे रहकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस रेस में अनीता ने दूसरा और पूनम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

डीसी अभिषेक मीणा ने विजेता खिलाडियों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने टेबल टेनिस की नेशनल प्लेयर वैभवी, बॉक्सिंग खिलाड़ी ज्योति, आरती, शर्मिला, पूजा, पलछिन तथा पैरा एथलीट प्रमिला, सरला देवी व तमन्ना शर्मा को भी सम्मानित किया। तलवारबाजी की खिलाड़ी तेजस्विनी, वासु शर्मा, अंशिका राणा, प्रियंका यादव, निपूर्णा राव व नव्या यादव को भी पुरस्कृत किया गया। डीसी ने फुटबाल खिलाड़ी नैना, शिवानी, लक्ष्मी व हर्षिता को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी ममता, सीडीपीओ राधा यादव, सुमन यादव सहित अन्य अधिकारी, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

शेखावाटी क्षेत्र में यमुना जल लाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

अलाइनमेंट पर हरियाणा की लिखित स्वीकृति प्राप्त कर वित्तीय वर्ष 2026-27 में ही शुरू होगा परियोजना पर कार्य

बजट में 32 हजार करोड़ रूपये का किया गया प्रावधान

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत विधान सभा परिसर में मीडिया से हुए रूबरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/झुंझुनूं।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि हथिनीकुंड बैराज से यमुना जल शेखावाटी क्षेत्र में लाने के लिए हमारी सरकार पूर्ण प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं केन्द्र सरकार के सकारात्मक मार्गदर्शन से राज्य सरकार ने हरियाणा से एमओयू कर अपने हिस्से का पानी लाने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री की अध्यक्षता में राजस्थान और हरियाणा के बीच 17 फरवरी 2024 को संयुक्त डीपीआर तैयार करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों राज्यों द्वारा संयुक्त टास्क फोर्स का भी गठन किया था। फोर्स से नियुक्त सलाहकारों की ओर से सुझाए गए अलाइनमेंट पर हरियाणा की लिखित स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

श्री रावत ने बताया कि दोनों राज्यों द्वारा तैयार संयुक्त डीपीआर जल्द ही केन्द्रीय जल आयोग को प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद विभिन्न विभागों की आवश्यक मंजूरियों प्राप्त कर वित्तीय वर्ष 2026-27 में परियोजना का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतीक्षित परियोजना के लिए राज्य बजट 2026-27 में 32 हजार करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। जल संसाधन मंत्री ने बताया कि यह परियोजना सीकर, चूरू, झुंझुनूं और अन्य क्षेत्रों की 30 वर्षों से प्रतीक्षित पेयजल और अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है। परियोजना से क्षेत्र के सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और स्वास्थ्य मानकों को बेहतर बनाया जा सकेगा। श्री रावत ने बताया कि यमुना जल के वर्ष पर्यन्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हथिनीकुंड बैराज के ऊपर यमुना बेसिन में तीन बांधों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इनमें से 2 बांध, रेणुकाजी व लखवार का निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

नीमकाथाना में महिला स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता पर सेमिनार

स्वस्थ जीवन शैली के बारे में बताया, प्राथमिक इलाज की जानकारी दी

भीम प्रज्ञा न्यूज

नीमकाथाना । नीमकाथाना के सेठ नंदकिशोर पटवारी राजकीय कॉलेज में 'महिला स्वास्थ्य जागरूकता एवं दुर्घटना पश्चात देखरेख' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत राज्य महिला नीति 2021 के तत्वावधान में हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, जीवन शैली संबंधी रोगों के प्रति सजग रहने और आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार की जानकारी देना था।

महिलाओं के स्वास्थ्य पर दिया जोर

व्याख्यान की मुख्य वक्ता डॉ. मोनिका माथुर (महिला चिकित्सक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पाटन) थीं। उन्होंने महिला स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, मानसिक स्वास्थ्य और स्वच्छता की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. माथुर ने बताया कि बदलती दिनचर्या के कारण मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और हृदय रोग जैसे जीवन शैली संबंधी रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, जिनसे बचने के लिए समय पर जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

हार्मोनल असंतुलन से होने वाली समस्याओं की जानकारी दी

कार्यक्रम में विशेष रूप से PCOD (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) के कारण, लक्षण और उपचार पर विस्तृत जानकारी दी गई। हार्मोनल असंतुलन से होने वाली समस्याओं को नियंत्रित करने के उपाय भी बताए गए। इसके अतिरिक्त, ब्रह्म (यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन) से संबंधित समस्याओं के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्याप्त जल सेवन और समय पर उपचार की आवश्यकता पर बल दिया गया।

नापासर-जसरासर मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज को स्वीकृति

बजट में मिली मंजूरी, वर्षों पुरानी समस्या का होगा समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज

नापासर । नापासर-जसरासर सड़क मार्ग पर स्थित नापासर रेलवे फाटक पर बहुप्रतीक्षित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण को बजट में स्वीकृति मिल गई है। इस निर्णय से क्षेत्र के लोगों को वर्षों पुरानी जाम और आवागमन की समस्या से जल्द ही राहत मिलने की उम्मीद है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मोहन कस्बा ने बीकानेर पहुंचकर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का आभार व्यक्त किया। कस्बा ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से इस महत्वपूर्ण मांग को लेकर केंद्रीय मंत्री मेघवाल और केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को ज्ञापन भेजते रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बजट में स्वीकृति दिए जाने से जनता की यह लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। कस्बा ने कहा कि इस ओवरब्रिज के बनने से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी। इसके अतिरिक्त, स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। इस अवसर पर नापासर नगरपालिका के पूर्व पार्षद विमल लद्धड़ और पूर्व पार्षद रामचंद्र दैय्या सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। क्षेत्रवासियों ने भी सरकार के इस फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आभार जताया है।

टी20 विश्वकप के सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ग्रुप ए में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंच गयी है। यहां उसका मुकाबला तीन टीमों दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से होगा। सुपर-8 में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से होगा। ये मैच अन्य दो मुकाबलों की अपेक्ष कठिन रहेगा। यह मुकाबला अहमदाबाद में में शाम 7 बजे से खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका विश्व कप में प्रचंड फॉर्म में है और ग्रुप डी में शीर्ष पर रही है। इसलिए इस मैच में दोनो के बीच कड़ा मुकाबला होना तय है।

आंकड़ों की बात करें तो भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनो के बीच अब तक 35 टी20 मुकाबले अब तक हुए हैं। इसमें भारतीय टीम ने 21 जीते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका को 13 में जीत मिली है, एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। अहम मुकाबलों में भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका पर भारी पड़ी है।

वहीं सुपर-8 में भारतीय टीम का दूसरा मुकाबला 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से एमए चिदंबरम स्टेडियम में शाम 7 बजे से होगा। इस टूर्नामेंट में अब तक जिम्बाब्वे ने काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया तक को हराया है। ऐसे में उससे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा क्योंकि वह उलटफेर करने में सक्षम है। दोनो के बीच अब तक 13 टी20 मैच खेले गए हैं। 10 मैचों में भारत और 3 मैचों में जिम्बाब्वे ने जीत हासिल की है।

सुपर-8 में भारतीय टीम को अपने तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज से खेलना है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अबतक बीच 30 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम ने 19 जबकि वेस्टइंडीज ने 10 जीते हैं। एक मैच का परिणान नहीं निकला। दो बार विजेता रही वेस्टइंडीज ने भी इस बार विश्व कप में अब अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह ग्रुप डी में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंची है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज फार्म में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। ऐसे में भारतीय टीम को इस मैच में भी जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टी20 विश्वकप: अभिषेक शर्मा फिर 0 पर आउट हुए, बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा का संघर्ष जारी है। नीदरलैंड के खिलाफ अहम मुकाबले में भी वह बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इस निराशाजनक प्रदर्शन के साथ उनके नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अभिषेक अब एक कैलेंडर वर्ष में टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा बार डक पर आउट होने वाले ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं। 2026 में यह पांचवां मौका है जब वह शून्य पर आउट हुए, जिससे उनकी फॉर्म पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

नीदरलैंड के खिलाफ फिर निराशा

नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भारतीय टीम को तेज शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन अभिषेक शर्मा पहली ही चुनौती में असफल रहे। विपक्षी गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ से उन्हें बांधे रखा और वह बिना रन बनाए आउट हो गए। टी20 जैसे फॉर्मेट में ओपनर की भूमिका बेहद अहम होती है। पावरप्ले का फायदा उठाकर तेज रन बनाना टीम की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। ऐसे में बार-बार डक पर आउट होना टीम के संतुलन को प्रभावित करता है।

एक कैलेंडर वर्ष में 5 डक, शर्मनाक सूची में नाम

अभिषेक शर्मा अब 2026 में टी20ढ्ढ में पांच बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। इसके साथ ही वह उन ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार डक का सामना किया है। इस सूची में शीर्ष पर पाकिस्तान के सैम अयूब हैं, जो 2025 में छह बार डक पर आउट हुए थे। इसके अलावा चालोमवोंग चटफैसन (थाईलैंड, 2024), कुशल भुर्टेल (नेपाल, 2024), धर्मा केसुमा (इंडोनेशिया, 2025) और परवेज हुसैन इमोन (बांग्लादेश, 2025) भी पांच-पांच बार डक पर आउट हो चुके हैं। अब अभिषेक का नाम भी इसी रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है।

कतर ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे अल्काराज

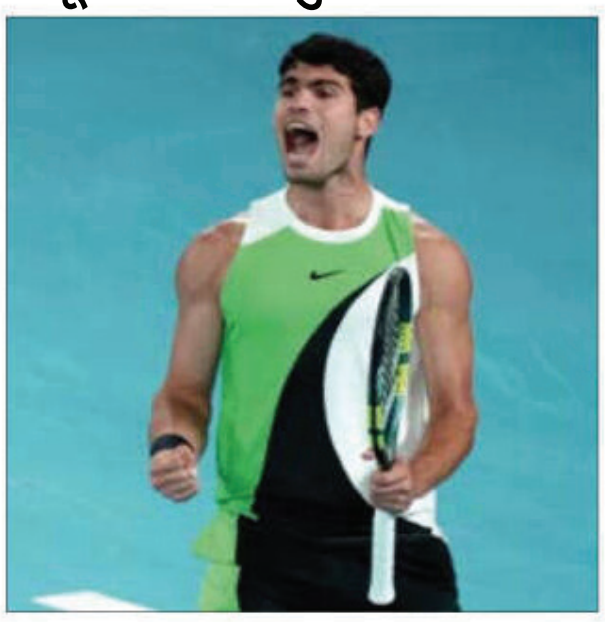

नई दिल्ली (एजेंसी)। दोहा (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 7-6 (5) से हराकर कतर ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया है। अब यहां उनका मुकाबला फ्रांस के वैलेन्टिन रॉयर से होगा।अल्काराज ने इस मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाया। स्पेनिश खिलाड़ी ने दूसरे सेट में सर्विस पर दो सेट अंक बचाने के बाद टाई-ब्रेक में जीत दर्ज करके अपना 150 वां मुकाबला जीता है। इससे उत्साहित अल्काराज ने कहा, यह मैच कठिन रहा है। आर्थर एक अच्छा खिलाड़ी है। कोई भी उसके खिलाफ पहले दौर में नहीं खेलना चाहेगा। मुझे खुशी है कि मैं उस कठिन मैच को जीतने में सफल रहा। मेरी जीत का कारण शांत और सकारात्मक रहकर खेलना रहा।

अल्काराज हालांकि यहां पिछली बार क्वार्टर-फाइनल में हार गये थे। अल्काराज का मुकाबला क्वार्टर-फाइनल में करेन खाचानोव से मुकाबला हो सकता है। खाचानोव ने एक अन्य मुकाबले में शिंटारो मोचिजुकी को 6-1, 3-6, 6-4 से हराया। खाचानोव दूसरे दौर में मार्टन फुकसोविक्स से खेलेंगे। एक अन्य मुकाबले में एंड्री रुबलेव ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने शुरुआती मैच में जेस्पर डी जोंग को 6-4, 6-3 से हराया। अब उनका सामना फैबियन मारोजसन से होगा, जिन्होंने उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-1 से हराया।

टी20 विश्वकप: पाकिस्तान की नामीबिया पर बड़ी जीत, सुपर 8 के लिए किया क्वालीफाई

अहमदाबाद (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (नाबाद 100) के पहले शतक के बाद स्पिनर शादाब खान (19 रन देकर तीन विकेट) और उस्मान तारिक (16 रन देकर चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने बुधवार को यहां टी20 विश्व कप के 'करो या मरो' के ग्रुप मैच में नामीबिया को 102 रन से हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया।

फरहान की 11 चौके और चार छक्के जड़ित 58 गेंद की पारी की बदौलत पाकिस्तान ने तीन विकेट पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। फरहान को 50 से 100 रन तक पहुंचने में महज 20 गेंद लगी। वह विश्व कप में शतक जड़ने वाले पाकिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले 2014 में मीरपुर में अहमद शहजाद ने बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था। पाकिस्तान ने 'मिस्ट्री' स्पिनर तारिक और लेग स्पिनर शादाब के स्पिन जाल से दबदबा बनाते हुए नामीबिया की टीम को 17.3 ओवर में महज 97 रन पर समेट दिया। सलमान मिर्जा और मोहम्मद नवाज ने भी एक एक विकेट झटका। इस तरह नामीबिया का अभियान चारों मैच में हार के साथ समाप्त हुआ।

इस जीत से पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के अगले चरण के लिए अपना क्वालीफिकेशन भी सुनिश्चित किया जो 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की सह मेजबानी में खेला जाएगा। यह टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत भी है। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम साइम अयूब (14 रन) का विकेट गंवाकर पावरप्ले में महज 47 रन ही बना सकी। पर फरहान ने कप्तान सलमान आगा (38 रन) के साथ मिलकर 67 रन जोड़े जबकि शादाब खान (नाबाद 36 रन) के साथ 81 रन की भागीदारी निभाई।

रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से मिली करारी शिकस्त से उबरते हुए पाकिस्तान ने ख्वाजा नफे को मध्यक्रम में शामिल कर अपनी बल्लेबाजी को मजबूती दी जबकि खराब फॉर्म में चल रहे शाहीन शाह अफरीदी को बाहर किया। पाकिस्तान ने शुरू में रक्षात्मक बल्लेबाजी की जो उनके स्कोर से जाहिर हो रहा है। लेकिन कप्तान सलमान ने नौवें ओवर की शुरुआत में विलेम माइबर्ग की गेंद पर छक्का लगाकर रन गति बढ़ाने की कोशिश की। इसके बाद उन्होंने लांग-ऑन पर एक और छक्का लगाया। फिर अपने कप्तान से प्रेरित होकर फरहान ने लेग-स्पिनर माइबर्ग की गेंद पर डीप मिडविकेट के ऊपर से एक बड़ा छक्का मारा और फिर उनकी गुगली को फिर उसी जगह भेजा।

एक ओवर में तीन छक्कों से पाकिस्तान का रन रेट बढ़ गया। सलमान ने बर्नार्ड शोल्ट्ज की गेंद पर एक और छक्का लगाया। हालांकि सलमान अगले ओवर में जैक ब्रेसेल की गेंद पर गेरहार्ड इरास्मस के हाथों कैच आउट हो गए। नफे ज्यादा देर तक नहीं टिक सके और इरास्मस की गेंद पर उन्हें ही लपके गए। फरहान ने जिम्मेदारी से खेलते हुए नामीबिया के गेंदबाजों के खिलाफ दबदबा बनाते हुए रन जुटाना जारी रखा और अपना शतक पूरा किया। शादाब ने अंत में इरास्मस पर दो छक्के लगाकर पारी का समापन किया।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का सामना ऑस्ट्रेलियाई क्लबों से होगा

पर्थ। भारतीय महिला नेशनल फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की अपनी तैयारियों के तहत 19 और 23 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई क्लब टीमों पर्थ रेडस्टार एफसी और पर्थ अजुरी के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलेगी। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की रिलीज के मुताबिक, ब्लू टाइग्रेसेस 11 फरवरी को तुर्किये में अपना ट्रेनिंग कैंप खत्म करने के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं, जहां उन्होंने यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया की क्लब टीमों के खिलाफ छह फ्रेंडली मैच खेले। भारत ने तुर्किये में अपने एक्सपोजर टूर के दौरान तीन जीत, एक ड्रॉ और दो हार दर्ज कीं। पर्थ रेडस्टार एफसी के खिलाफ पहला मैच डालमटिनैक पार्क में भारतीय समयानुसार 14:30 पर खेला जाएगा जबकि पर्थ अजुरी के खिलाफ दूसरा मैच मैसेडोनिया पार्क में 16:00 पर खेला जाएगा। दोनों मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

पाकिस्तान टीम पर भड़के बासित, सूर्यकुमार के राइवलरी नहीं होने वाले बयान को सही बताया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए टीम को खरी खोटी सुनाई है। बासित अली ने कहा है कि जिस प्रकार से भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि उनके बीच राइवलरी जैसी कोई बात ही नही। वह एक तरह से सही है क्योंकि पाक टीम भारत के सामने कहीं नहीं टिकती है। सूर्या ने एशिया कप के दौरान कहा था कि राइवलरी की बात तब आती है तब बराबरी पर मुकाबला हो पर हम तो हमेशा ही एकतरफा जीत रहे हैं। इसलिए ऐसी कोई बात नहीं है। वहीं अब विश्व कप का मुकाबला भी भारतीय टीम ने आसानी से जीता है। इसमें भी पाक कहीं भी टक्कर देती नहीं दिखी। बासित के अनुसार भारतीय कप्तान ने जो भी कहा है वह सही है। टी20 विश्व कप में भारतीय ने पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 61 रनों से शिकस्त देकर सुपर-8 में अफनी जगह पक्की कर ली थी। बासित ने कहा कि जिस प्रकार भारत ने पार्ट-टाइम गेंदबाज तिलक वर्मा और रिंकू सिंह को गेंदबाजी दी उससे समझा जा सकता है कि वह पाक टीम की बल्लेबाजी को कितना लचर मानते हैं।

गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहता है रॉयल्स

मुम्बई। आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स 2026 सत्र में गौतम गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहत है। एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर को रायल्स सीईओ, पार्टनर और मेंटॉर बनाना चाहती है पर गंभीर इससे स्कीकार करेंगे। इसकी संभावनाएं काफी कम हैं। गंभीर अभी भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हैं और वे इसके लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। ऐसे में वह कोच पद छोड़ेंगे। इसकी उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स का नया प्रबंधन गंभीर को अपने साथ जोड़ना चाहता है। इसका कारण है कि टीम का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा है और प्रबंधन को उम्मीद है कि गंभीर उसमें बदलाव ला सकते हैं। उनके कोच रहते ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स के ज्यादातर शेयर धारक अपनी हिस्सेदारी नए मालिकान को बेच रहे हैं। डील हस्तांतरण के स्तर पर है। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रेंचाइजी के 3 नए मालिकों में से एक ने गंभीर से संपर्क किया है। उन्हें फ्रेंचाइजी में हिस्सेदारी के साथ-साथ सीईओ और मेंटॉर बनाए जाने की पेशकश की गयी है। गंभीर को इस पेशकश को स्वीकार करने के लिए भारतीय टीम का कोच पद छोड़ना पड़ेगा। मुख्य कोच के तौर पर गंभीर का कार्यकाल 2027 के एकदिवसीय विश्वकप तक है। उनके कार्यकाल में टीम इंडिया का टेस्ट में प्रदर्शन औसत से भी नीचे रहा है। हालांकि वाइट बॉल क्रिकेट में टीम के प्रदर्शन में गिरावट नहीं आई है। टेस्ट में खराब प्रदर्शन के चलते अक्सर रेड बॉल क्रिकेट के लिए नए कोच की मांग उठती रही है।गौतम गंभीर ने जुलाई 2024 में टीम इंडिया के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाली। उनके कार्यकाल में टीम अब तक 19 टेस्ट मैच में 7 में जीत हासिल की है और 10 में हार का सामना करना पड़ा। इसी दौरान न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने भारत में आकर टीम इंडिया का टेस्ट में क्लीन स्वीप किया।

टी20 विश्वकप 2026: टी20 विश्व कप में आज जिम्बाब्वे और श्रीलंका में होगा मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। मेजबान श्रीलंकाई टीम का मुकाबला गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के मैच में जिम्बाब्वे से होगा। दोनो ही टीमें पहले ही सुपर-8 में पहुंच गयी हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा। दोनो का लक्ष्य इस मैच को जीतकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल करना रहेगा। श्रीलंका ने यहां ओमान और आयरलैंड को हराया और फिर ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपनी ताकत दिखायी है। वहीं जिम्बाब्वे ने बड़ा उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को हराया है। वहीं आयरलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। जिससे उसे एक अंक मिला। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गया। श्रीलंकाई टीम सुपर 8 में पहुंचने के बाद भी जिम्बाब्वे के खिलाफ कोई गलती नहीं करना चाहेगी। वह अपनी जीत की लय को बनाए रखने और ग्रुप में नंबर पर रहने उतरेगी।

श्रीलंका को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका के फॉर्म में होने से भी श्रीलंका को लाभ होगा। निशांका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनके अलावा कुसल मेंडिस ने भी पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था और वह ये सिलसिला बनाये रखना चाहेंगे।

श्रीलंका की गेंदबाजी की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा के पास रहेगी। वहीं तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वह अपनी अलग गेंदबाजी शैली से काफी प्रभावी रहते हैं। स्पिनर के तौर पर टीम के पास दुशान हेमंथा जैसा लेग स्पिनर है। उनके अलावा महीश तीक्षाना जैसा गेंदबाज है।

वहीं जिम्बाब्वे की राह आसान नहीं है। श्रीलंका के घरेलू मैदान पर उसके लिए मेजबान गेंदबाजों का समाना करना कठिन रहेगा हालांकि ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद से ही उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। उसके सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने ऑस्ट्रेलिया और ओमान के खिलाफ क्रमशः 64 और 48 रन बनाये थे। इसके अलावा तादिवानाशे मारुमानी, रयान बर्ल और सिकंदर रजा भी फार्म में हैं। गेंदबाजी में उसके पास अनुभवी तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के अलावा रिचर्ड नगारवा हैं।

टीम इस प्रकार हैं

श्रीलंकाः दासुन शनाका (कप्तान), चरिथ असलांका, दुशमंथा चमीरा, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंदु मेंडिस, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, पथुम निसांका, मथीशा पथिराना, कुसल परेरा, प्रमोद मदुशन, पवन रथनायके, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

जिम्बाब्वेः सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा।

टॉप सीड सेरुंडोलो रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंचे

रियो डी जेनेरो। अर्जेंटीना के टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो मंगलवार को अपने ही देश के मारियानो नवोन को 6-3, 6-4 से हराकर रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंच गए। वर्ल्ड नंबर 19 सेरुंडोलो ने पहले सर्व पर 72 परसेंट पॉइंट जीते और जॉकी क्लब ब्रासीलीरो के आउटडोर क्ले कोर्ट पर एक घंटे 32 मिनट में पांच में से चार ब्रेक पॉइंट बदलकर जीत हासिल की। नवोन ने अपने पहले सर्व पर 67 परसेंट पॉइंट जीते लेकिन 12 ब्रेक पॉइंट मौकों में से सिर्फ दो को ही बदल पाए। इस नतीजे का मतलब है कि सेरुंडोलो एटीपी 500 इवेंट के अगले राउंड में एक और अर्जेंटीना के थियागो टिरांटे से भिड़ेंगे। सेरुंडोलो के भाई, जुआन मैनुअल सेरुंडोलो ने भी इटली के दूसरे सीड लुसियानो डार्डी पर 6-1, 3-6, 6-4 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 78 सेरुंडोलो ने आठ में से छह ब्रेक पॉइंट बचाए और नेट पर 13 में से नौ पॉइंट लेकर दो घंटे 17 मिनट में जीत हासिल की।

एफआईएच प्रो लीग में हार्दिक करेंगे भारतीय हॉकी टीम की कप्तानी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट में खेले जाने वाल एफआईएच प्रो लीग मैचों में अनुभवी मिडफील्डर हार्दिक सिंह की कप्तानी में उतरेगी। इससे पहले टीम के नियमित कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने निजी कारणों से इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया से होगा। इससे पहले भारतीय टीम को राउरकेला में हुए मुकाबलो में अपने सभी चार मैचों में हार मिली थी। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''राउरकेला में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे पर हमने काफी कुछ सीखा है और खेल में सुधार किए हैं।'' नए कप्तान हार्दिक को दो बार के ओलंपिक खेलों का अनुभव है जिसका टीम को लाभ मिलेगा। टीम में अमनदीप लाकड़ा और मनमीत सिंह जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने राउरकेला चरण के दौरान सीनियर टीम के लिए अपना पहला मैच खेला था। हॉकी इंडिया ने कहा कि हरमनप्रीत अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं स्ट्राइकर मनिंदर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। इस खिलाड़ी ने अंतिम बार साल 2023-24 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारत के लिए खेला था। एक अन्य फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। कोच ने कहा, ''हमारी नजर बेहतर प्रदर्शन करने के साथ ही विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए अपनी टीम को तैयार करने पर है।''

भारतीय टीम इस प्रकार है- गोलकीपर- सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनाहल्ली शशिकुमार डिफेंडर- अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, अमनदीप लाकड़ा, यशदीप सिवाच, पूवन्ना चंदूरा बॉबी। मिडफील्डर- राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल। फॉरवर्ड- अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य अर्जुन लालगे, अंगद बीर सिंह, मनिंदर सिंह।

विक्रम राठौर कोच बनने के बाद श्रीलंकाई बल्लेबाजी में आया बदलाव,

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जिस प्रकार श्रीलंकाई टीम की बल्लेबाजी को बेहतर बनाया है। उसके लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। राठौर जब से टीम के बल्लेबाजी कोच बने हैं हालात बदले हैं। श्रीलंकाई बल्लेबाज पथुम निशंका ने जिस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाया है उससे ये बात साबित हुई है। उनके मार्गदर्शन में बल्लेबाज निडर होकर बल्लेबाजी कर रहे हैं और खेल के प्रति उनका रवैया भी बदल रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट ने अपने बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता और आक्रामकता लाने के लिए ही राठौर को अपने साथ जोड़ा है। राठौर को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप के लिए टीम को तैयार करने का काम दिया था। जिस तरह से श्रीलंका ने अभी तक विश्व कप में खेला है वो दिखाता है कि राठौर के आने के बाद टीम काफी बेहतर हुई है। निशंका की बल्लेबाजी में बदलाव का के पीछे भी राठौर की रणनीतियों को बताया गया है। निशंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल 52 गेंदों में ही 100 रन लगा दिया था। इस दौरान उन्होंने जमकर चौके और छक्के लगाये। राठौर ने निशंका को पारंपरिक खेल से हटकर नये शॉट्स खेलने के लिए प्रेरित किया जिससे की अधिक से अधिक रन बनें। इसका असर भी दिख रहा है। निशंका का टी20 विश्व कप 2026 में अब तक का स्ट्राइक रेट 192.3 रहा है, जो उनके पहले के आंकड़ों से काफी अच्छा है।.

ऑस्ट्रेलिया से दूसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

कैनबरा (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को कैनबरा में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने बारिश की बाधा के बीच ही पहले मैच को डकवर्थ लुइस नियम से जीता था।

भारतीय टीम की ओर से पहले मैच में तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने चार विकेट लिए थे और वह ये प्रदर्शन बनाये रखना चाहेंगी। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर भी पूरे नहीं खेल पाई और केवल 133 रनों पर ही आउट हो गयी।

भारतीय टीम की ओर से इस मैच में केवल सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को ही बल्लेबाजी का अवसर मिला।

अब दूसरे मैच में भी शेफाली और मंधाना पर रनों की जिम्मेदारी रहेगी। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

इस साल इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह पर भी इस मैच में नजरें रहेंगी। वहीं कप्तान सोफी मोलिनी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया भी वापसी के इरादे से उतरेगी। बराबर करने के लिए बेताब होगी। टीम को बेथ मूनी, फोएबे लिटफील्ड, एलिसे पेरी और एशले गार्डनर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलियाः सोफी मोलिनी (कप्तान), ताहलिया मैकग्रा, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, भारती फुलमाली, क्रांति गौड़, ऋचा घोष (विकेटकीपर), गुनालान कमलिनी, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'दो दीवाने सहर में' के साथ शुरू किया अपना रोमांटिक हीरो का सफर

सिद्धांत चतुर्वेदी अपने सिनेमाई सफर के एक नए अध्याय में कदम रख रहे हैं, जहां वह पहली बार पूरी तरह से रोमांटिक हीरो की भूमिका निभाते नजर आनेवाले हैं। फिलहाल फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के जरिए वह अपने अब तक के इंटेंस और लेयर्ड किरदारों से अलग, संवेदनशील, आकर्षक और भावनात्मक अंदाज में दिखाई देंगे। कई लोग इसे उनका 'लवर बॉय एरा' भी कह रहे हैं। संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के साथ सिद्धांत एक ऐसे सिनेमा जगत में प्रवेश कर रहे हैं, जहां उन्हें 'भंसाली हीरो' की पहचान मिल रही है। ये वो दुनिया है, जहां प्रेम काव्यात्मक होता है, भावनाएं गहरी होती हैं और कहानी कहने के कई अंदाज होते हैं। ये कहें तो गलत नहीं होगा कि भंसाली से जुड़ा प्रोजेक्ट अपने आप में एक विरासत और भव्यता का प्रतीक माना जाता है, और इस जोन में सिद्धांत का आना उनके करियर के विस्तार और विकास का संकेत देता है। गौरतलब है कि फिल्म में पहली बार उनकी जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है, जो फिल्म की ताजगी को और भी खास बनाती है। फिलहाल दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर शुरुआती झलकियों ने ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है और सिद्धांत को रोमांटिक हीरो के तौर पर स्थापित कर दिया है। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' से भंसाली हीरो के तौर पर सिद्धांत चतुर्वेदी की जगह पूरी तरह से पक्की हो गई है।

क्या बॉन्ड गर्ल बनेंगी प्रियंका चोपड़ा?

फिल्म में कास्टिंग को लेकर दिया हिंट

प्रियंका चोपड़ा की जल्द ही एक हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन कर रही हैं। फैंस उनके एक्शन के कायल हो गए हैं। इसी बीच प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा की है। इसी दौरान उन्होंने 'बॉन्ड' सीरीज की अगली फिल्म को लेकर जिक्र किया। क्या वह सच में इसका हिस्सा हैं। जानिए, प्रियंका ने क्या कहा? और फैंस का इस बात पर क्या रिएक्शन रहा है?

'007 बॉन्ड' सीरीज पर प्रियंका चोपड़ा ने क्या कहा?

वैरायटी को दिए गए हालिया इंटरव्यू में करियर को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने लंबी बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने 007 बॉन्ड सीरीज की फिल्म को लेकर बड़ा हिंट दिया। वह कहती हैं, 'यह प्रोजेक्ट सच में ग्लोबल हो सकता है। मैं इस बात के लिए उत्साहित हूं कि मेकर्स कौन सा रास्ता चुनते हैं।' यह खबर सुनकर प्रियंका चोपड़ा के फैंस काफी खुश हैं। फैंस सोशल मीडिया पर प्रियंका चोपड़ा को बेस्ट बॉन्ड गर्ल बताने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स क्या हैं?

प्रियंका चोपड़ा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' और राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। 'वाराणसी' फिल्म में प्रियंका चोपड़ा साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म बड़े स्तर पर बन रही है। इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका चोपड़ा लगातार भारत आ रही हैं। अब उनका नाम फिल्म '007 बॉन्ड' सीरीज को लेकर भी सामने आ रहा है। देखना होगा कि क्या सच में वह बॉन्ड गर्ल बनती हैं या नहीं।

विशाल जेठवा ने जताई 'मर्दानी 4' में विलेन बनने की इच्छा

विशाल जेठवा ने 'होमबाउंड' और 'मर्दानी 2' में शानदार अभिनय किया था। उनकी फिल्म 'होमबाउंड' तो ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटिगरी में भी शॉर्टलिस्ट की गई थी। इस फिल्म में भी विशाल की एक्टिंग को फैंस ने काफी सराहा था। वहीं उन्होंने 'मर्दानी 2' में विलेन का रोल निभाया था। अब एक बार फिर विशाल विलेन का रोल निभाना चाहते हैं।

विशाल ने की रानी मुखर्जी की तारीफ

हाल ही में विशाल जेठवा 'मर्दानी 3' की स्पेशल स्क्रीनिंग में रानी मुखर्जी से दोबारा मिले। 'मर्दानी 3' में रानी की एक्टिंग की तारीफ करते हुए विशाल ने कहा, 'मर्दानी 2' फिल्म मेरे लिए हमेशा बहुत खास रहेगी और रानी मैम भी। उनके साथ काम करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सीखने वाला अनुभव रहा है। वह ईमानदारी, मजबूती और बेहद सादगी के साथ लीड करती हैं। स्क्रीनिंग के दौरान उनसे मिलकर पुरानी यादें ताजा हो गईं। मुझे 'मर्दानी 2' का हिस्सा बनने पर बहुत गर्व महसूस होता है।' 'मर्दानी' फ्रेंचाइज और रानी की तारीफ करते हुए विशाल ने आगे कहा कि 'मर्दानी' और रानी मुखर्जी एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार को रानी मैम से बेहतर कोई निभा ही नहीं सकता था। मैंने 'मर्दानी 3' देखी और एक बार फिर उन्होंने साबित कर दिया कि वे रानी मुखर्जी क्यों हैं। मैं चाहता हूं कि 'मर्दानी 4' में मैं विलेन बनकर वापसी करूं।'

डाकू में साथ दिखेंगे अदिवि शेष और पवन सिंह

पैन-इंडिया एक्शन फिल्म डाकू में अदिवि शेष और भोजपुरी इंडस्ट्री के मशहूर सिंगर पवन सिंह डांस करते नजर आएंगे। यह गाना तेलुगु, हिंदी और भोजपुरी सिनेमा की एक साथ झलक दिखाएगा। पवन सिंह ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, भाई भोजपुरी और तेलुगु जिंदाबाद। बता दें, मृणाल ठाकुर अपनी शूटिंग खत्म कर चुकी हैं और अदिवि शेष ने हाल ही में फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी है। इसके बाद डाकू इस साल की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली एक्शन फिल्मों में शामिल हो गई है। अदिवि शेष के अलावा फिल्म में मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जबकि अनुराग कश्यप एक अहम किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन शनील देवो कर रहे हैं। डाकू को सुप्रिया यारलगड्डा ने प्रोड्यूस किया है। जबकि सुनील नारंग इसके को-प्रोड्यूसर हैं और फिल्म को अन्नपूर्णा स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है। फिल्म की शूटिंग एक साथ हिंदी और तेलुगु में की गई है, जबकि इसकी कहानी और पटकथा अदिवि शेष और शनील देवो ने मिलकर लिखा है।

मैं किसी की भी एक्ट्रेस जैसी नहीं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी

तान्या मित्तल सोशल मीडिया पर और बिग बॉस 19 में अपने बड़बोलेपन को लेकर चर्चा में रही हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातें साझा कीं। साथ ही किसी भी एक्ट्रेस को फॉलो ना करने की बात भी कही। तान्या मित्तल की इस बात पर यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं।

तान्या मित्तल ने एक इंटरव्यू दिया। जिसमें वह कहती हैं, 'जब मैं बिग बॉस 19 से बाहर आई तो लोग सवाल करते थे कि आलिया भट्ट, करीना कपूर में से किसके जैसा बनना चाहोगी। तो मेरा जवाब होता था कि मैं किसी की जैसी नहीं बनना चाहूंगी। मैं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी।' तान्या के इस बयान पर कई यूजर्स ने उन्हें सपोर्ट किया। एक यूजर ने लिखा, 'तान्या क्वीन है।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'आप सबसे अच्छी है। हेटर्स को पता नहीं है कि उन सब की हेट से तान्या का फैनबेस और स्ट्रॉन्ग हो रहा है।' इसी तरह एक फैन ने कमेंट किया, 'आपको कोई और बनने की जरूरत नहीं है जैसा आपने कहा तान्या मित्तल बनो, हम आपको वैसे ही प्यार करते हैं, जैसी आप हैं।'

तान्या को मिला एकता कपूर से ऑफर

तान्या के करियर फ्रंट की बात करें तो बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। ब्रांन्ड प्रमोशन कर रही हैं। वहीं रियलिटी शो बिग बॉस 19 में प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी तान्या को एक प्रोजेक्ट ऑफर किया था। जल्द ही वह उस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं।

शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापस आईं रानी

अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित 'मर्दानी 3' मर्दानी फ्रैंचाइज की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में जानकी बोडीवाला और मल्लिका प्रसाद भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में रानी मुखर्जी एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आई हैं। मल्लिका प्रसाद फिल्म में अम्मा के किरदार में नजर आई हैं। फिल्म लड़कियों की तस्करी जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है।

संघर्ष और सफलता दोनों का अपना मजा

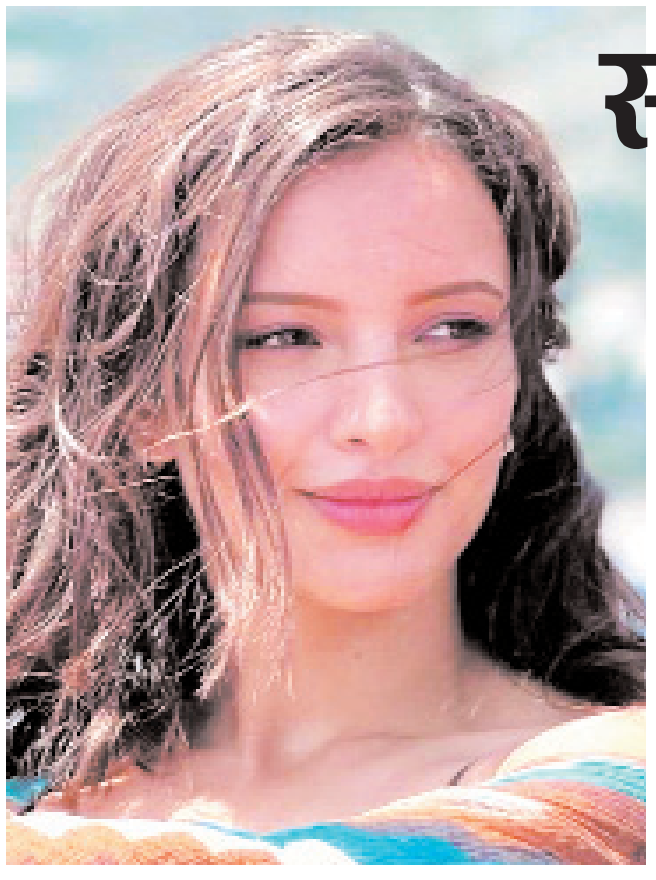

'लैला मजनू' जैसी जुनूनी प्रेम कहानी वाली फिल्म से अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाली तृप्ति डिमरी इन दिनों एक और इंटेंस लव स्टोरी 'ओ रोमियो' को लेकर सुर्खियों में हैं। तृप्ति इससे पहले गहरे इश्क वाली फिल्म 'धड़क 2' भी कर चुकी हैं, पर असल जिंदगी में वह जुनूनी नहीं, सच्चे प्यार में यकीन करती हैं। तृप्ति का कहना है, 'प्यार को लेकर हर किसी का अलग नजरिया होता है। हर कोई उसे अपने हिसाब से देखता है, लेकिन मैं बस सच्चे प्यार में यकीन करती हूं। जुनूनी- वुनूनी प्यार मुझे समझ में नहीं आता, पर सच्चे प्यार पर मुझे पूरा भरोसा है।'

अपने करियर के शुरुआती दौर में तृप्ति ने तीन साल में तीन फिल्में की थीं, जबकि 'एनिमल' की सफलता के बाद उनके पास फिल्मों की झड़ी लगी हुई है। अकेले साल 2024 में वह 'बैड न्यूज', 'विकी विद्या का वो वाला विडियो' और 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। जबकि आने वाले दिनों में भी वह 'ओ रोमियो' के अलावा, 'स्पिरिट' और 'मां बहन' जैसी बड़ी फिल्मों में दिखेंगी। रिजेक्शन और इंतजार के लंबे दौर के बाद अब हर चौथी-पांचवीं फिल्म का ऑफर मिलने वाली इस सफलता के बारे में तृप्ति कहती हैं, 'मेरे लिए तो यह बहुत खुशी की बात है कि हर चौथी या पांचवीं फिल्म मेरे पास आ रही है। मैं तो चाहती हूं कि हर दूसरी फिल्म मेरे पास आए, क्योंकि मैंने काफी लंबा गैप भी देखा है।'

पैरेंट्स को लगता था, पढ़ाई से बचने के लिए एक्टर बनना चाहती हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी ने जब एक्टिंग में करियर बनाने का तय किया था, तब उनके पैरंट्स काफी डरे हुए थे। वह उनके फैसले से ज्यादा खुश नहीं थे, लेकिन अब उनकी कामयाबी देखकर वे फूले नहीं समाते। उनकी सोच में आए बदलाव पर तृप्ति कहती हैं, 'निश्चित तौर पर अब वे बहुत खुश हैं और गर्व महसूस करते हैं। हालांकि, शुरुआत में भी उनकी जो सोच थी, जो डर था, उसके लिए मैं उन्हें गलत नहीं मानती, क्योंकि उनके लिए मुंबई एक बिल्कुल नया शहर था। वे किसी को जानते नहीं थे। ऐसे में, अपने बच्चे को यहां भेजना हर माता-पिता के लिए मुश्किल फैसला होता है। फिर, उनको यह भी नहीं पता था कि मुझे एक्टिंग से इतना प्यार है। उन्हें लगता था कि इसको पढ़ाई नहीं करनी है, इसलिए एक्टिंग में जाना चाहती है (हंसती हैं)। लेकिन अब उन्हें बहुत गर्व होता है। कई बार वे मेरे इंटरव्यू चला देते हैं, जिस पर मैं झेंप जाती हूं, मगर वे बहुत ही ज्यादा खुश हैं और मैं खुश हूं कि वे खुश हैं।'

गहरे समंदर में छोड़ देते हैं विशाल सर

फिल्म 'ओ रोमियो' में तृप्ति डिमरी का किरदार काफी इंटेंस और लेयर वाला है। इसकी तैयारी के बारे में वह बताती है, 'इस किरदार को समझने में मुझे विशाल सर (डायरेक्टर विशाल भारद्वाज) से बहुत मदद मिली। हर फिल्म, हर किरदार के साथ हमारी एक जर्नी होती है, जहां उनको समझने के लिए आपको वक्त देना पड़ता है। कम से कम मेरा प्रॉसेस ऐसा है कि मैं जानना चाहती हूं कि वो किरदार कैसे सोचता है? अलग-अलग लोगों के साथ उसका बर्ताव कैसा है? उसके लिए मैंने अतुल मोंगिया सर के साथ काफी वर्कशॉप की। मेरे किरदार अफशां की चुनौतियां, परिस्थितियां आदि समझने की कोशिश की। उससे काफी कुछ सीखने को मिला। अगर मैं वो नहीं करती तो पहले दिन बहुत नर्वस होती। उसके अलावा, विशाल सर के साथ काम करना अपने में एक्टिंग वर्कशॉप है। वह कई बार आपको गहरे समंदर में छोड़ देते हैं। आपको लगेगा कि आपको सीन का सुर पता है पर फिर आपको पता चलेगा कि नहीं, यह तो कुछ अलग है।'

संघर्ष के कारण सफलता की कीमत समझती हैं तृप्ति

तृप्ति आगे कहती हैं, 'मैं काफी पहले से एक्टर बनने की कोशिश कर रही थी, मगर जब मुझे मौका मिला तो अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि, मैंने तब भी कभी ऐसा नहीं सोचा कि मैं असफल हूं। मैं तब भी बहुत खुश थी, जब ऑडिशन के लिए जाती थी। उसका अलग मजा था। आज जो चल रहा है, उसका अलग मजा है। सच कहूं तो अगर मैंने वो दिन नहीं देखे होते तो शायद मैं अपने करियर को उतना वैल्यू नहीं करती, जितना आज करती हूं।'

देहरादून में जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून में बुधवार को जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। जिला जज के आधिकारिक ईमेल पर भेज धमकी भरे संदेश के बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। एहतियात के तौर पर पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराकर सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और वादकारियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्कायड ने परिसर के चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी ली। सुरक्षा के मद्देनज़र कोर्ट परिसर के बाहर बैरिकेडिंग कर आवाजाही सीमित कर दी गई। प्रारंभिक जांच में ईमेल के स्रोत की पड़ताल की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि यह किसी शरारती तत्व या संगठित साजिश का हिस्सा हो सकता है। हालांकि अब तक तलाशी अभियान में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, जिससे राहत की सांस ली गई है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में हरिद्वार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, टिहरी और नैनीताल की जिला अदालतों को भी इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। इन घटनाओं को देखते हुए पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी कर दिया गया है। पुलिस सभी मामलों की कड़ियों को जोड़कर जांच कर रही है ताकि अफवाह फैलाने या भय का माहौल बनाने वालों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जा सके।

ईद के बाद सोरेन सरकार की घेराबंदी करेगा होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन

रांची (एजेंसी)। झारखंड में 77 मृत होमगार्ड जवानों के आश्रित अब भी अनुकंपा नियुक्ति के इंतजार में हैं। इसमें स्व. आनंदी मंडल, स्व. राम बाबू सिंह, स्व. बाबूजोन मरांडी, स्व. उमेश प्रसाद, स्व. परमानंद यादव और स्व. दीपक प्रताप सहित कुल 77 जवान शामिल हैं। अधिकांश जवानों की मृत्यु 10 से 15 वर्ष पूर्व ड्यूटी के दौरान हो चुकी है, लेकिन उनके परिवारों को अब तक नौकरी नहीं मिल सकी है। वर्ष 2014 में राज्य सरकार ने होमगार्ड जवानों के लिए नियमावली बनाई थी, जिसमें ड्यूटी के दौरान मृत जवानों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नामांकन का प्रावधान था। इसके बावजूद कई मामलों में नियुक्ति नहीं हो सकी। इस संबंध में जवानों ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें राज्य गठन के बाद ड्यूटी के दौरान मृत सभी जवानों के आश्रितों को नियुक्ति देने का आदेश दिया गया। न्यायालय से सकारात्मक फैसला आने के बाद गृह विभाग ने संबंधित जवानों की सूची भी तैयार कर ली, लेकिन वर्षों से यह सूची विभागीय फाइलों में लंबित पड़ी है। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी ने कहा कि बजट सत्र शुरू हो चुका है और सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बजट सत्र में भी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तब ईद के बाद राज्यभर के होमगार्ड जवान राजभवन का घेराव करेंगा।

यूपी बोर्ड की सख्त चेतावनी... पेपर लीक जैसी भ्रामक खबरों को फैलाने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो गई हैं। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले सोशल मीडिया पर पेपर लीक को लेकर उड़ रही अफवाहों पर यूपी बोर्ड ने बेहद सख्त रुख दिखाया है। यूपी बोर्ड ने साफ कर दिया है कि ऐसी खबरें पूरी तरह फर्जी हैं और इन भ्रम खबरों को फैलाने वालों को किसी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। बोर्ड ने आधिकारिक बयान देकर छात्रों और अभिभावकों को सचेत किया है। बोर्ड का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व सुनियोजित तरीके से परीक्षाओं की शुचिता बिगाड़ने और छात्रों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। बोर्ड ने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ साइबर सेल में मामला दर्ज करा दिया है। परीक्षार्थी इन भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी परीक्षा पर फोकस करें। यूपी परिक्षा बोर्ड ने बताया कि इस साल नकल रोकने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए हाई-टेक इंतजाम किए गए हैं। सभी 8,033 केंद्रों पर वॉयस रिकॉर्डर वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी वेबकास्टिंग के जरिए लखनऊ से लाइव निगरानी हो रही है। 18 जिलों को संवेदनशील घोषित किया है। 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त फोर्स तैनात है। 440 जिला स्तरीय और 69 मंडलीय मोबाइल स्क्वॉड नकलचियों को पकड़ने के लिए मुस्तैद हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पोस्ट के माध्यम से छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं केवल आपकी शैक्षणिक योग्यता का मूल्यांकन नहीं हैं, बल्कि यह आपके धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास की भी परीक्षा है। उन्होंने छात्रों को बिना तनाव के परीक्षा देने का आशीर्वाद दिया।

राजस्थान में हल्की बारिश, दिल्ली में छाए रहे बादल वायु गुणवत्ता में आंशिक सुधार

-न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर समेत राजस्थान में कई जगह बुधवार सुबह हल्की बारिश हुई। बारिश व बूंदाबांदी का दौर रात से ही शुरू हो गया था। उधर दिल्ली में बुधवार सुबह मौसम ने करवट ली और घने बादल आसमान में छा गए। कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी के साथ बारिश की फुहारें पड़ी। बदलते मौसम और तेज हवा के कारण वायु गुणवत्ता में भी आंशिक सुधार देखा गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक बुधवार को दिनभर सामान्यत: बादल छाए रहे और हल्की बारिश की संभावना बनी रही। बुधवार का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

सात दिनों के पूर्वानुमान के मुताबिक 19 फरवरी को न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा और मौसम मुख्यत: साफ रहने की संभावना है। 20 को भी पारा 12 से 28 डिग्री के बीच रहेगा। 21 को न्यूनतम 13 और अधिकतम 28 डिग्री 22 और 23 को तापमान में हल्की बढ़ोतरी के साथ अधिकतम 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास रहेगा यानी बुधवार को हल्की गिरावट के बाद आने वाले दिनों में तापमान लगातार बढ़ता रहेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के कई इलाकों में अभी भी हवा खराब श्रेणी में है। अलीपुर में एक्यूआई 255, आनंद विहार में 285, अशोक विहार में 264 दर्ज किया गया। आया नगर में 179 और सीआरआरआई मथुरा रोड पर 185 के साथ मध्यम श्रेणी रही। बवाना में एक्यूआई 307 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि चांदनी चौक में 286 और डीटीयू में 249 दर्ज किया गया। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 296, लोनी में 352, संजय नगर में 203 और वसुंधरा में 268 दर्ज किया गया।

भारतीय नौसेना के साथ समुद्री अभ्यास में भाग लेने विशाखापटनम पहुंचा रूसी युद्धपोत

विशाखापटनम (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम के बंदरगाह पर अचानक एक विशाल रूसी युद्धपोत मार्शल शापोष निकोब का आगमन हुआ है। यह कोई साधारण घटना नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू यानी आईएफआर 2026 और मिलन 2026 अभ्यास का हिस्सा है, जो भारत रूस की दशकों पुरानी समुद्री साझेदारी को दिखाता है। लेकिन आगमन को हम अचानक क्यों कह रहे हैं, क्योंकि वैश्विक तनाव के बीच जब दुनिया की महाशक्तियां एक दूसरे से भिड़कर दूर हो रही हैं तब भारत रूस की यह दोस्ती ना केवल मजबूत हो रही है बल्कि दुनिया पर भारी साबित हो रही है। एक आधुनिक उदालाय क्लास डिस्ट्रॉयर इस अब ब्रिगेड के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 1985 में कमीशन किया गया। यह रूसी जहाज रूसी पेसिफिक फ्लीट का हिस्सा है और इसका नाम सोवियत युग के सैन्य कमांडर बोरिस शापोश निकोब के नाम पर रखा गया है। इस जहाज की लंबाई 163 मीटर वजन 7900 टन तक है और यह 35 नॉट की रफ्तार से चल सकता है। इसमें कलिब्र एनके क्रूज मिसाइल, ओनिक्स, एंटीशिप मिसाइलें

और संभावित रूप से जिरकॉन हाइपरसोनिक मिसाइलें लगी हैं। यह एंटी सबमरीन वॉरफेयर में माहिर है। जिसमें हेलीकॉप्टर, हैंगर और सोनार सिस्टम्स शामिल हैं। अब यह आगमन अचानक इसलिए लग रहा है, क्योंकि वैश्विक राजनीति में रूस यूक्रेन युद्ध के चलते रुस अलग-थलग दिख रहा है। हालांकि भारत रुस को कभी भी अलग-थलग नहीं होने दे रहा है। इसी कड़ी में भारत ने रुस को गले लगाया और भारतीय नौसेना के अनुसार जहाज आईएफआर 2026 और मिलन 2026 में भाग लेने आया है। जहां भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 72 देशों के 60 से अधिक युद्धपधों की समीक्षा करेंगी। मिलन 21 से 25 फरवरी तक चलेगा जिसमें समुद्री अभ्यास, सेमिनार और सहयोग पर फोकस होगा। रूस का यह जहाज इस अभ्यास में प्रमुख भूमिका निभाएगा जो भारत रूस की समुद्री साझेदारी को मजबूत करेगा। यह घटना सिर्फ एक जहाज का आगमन नहीं है। यह एक संदेश है जब अमेरिका और उसके सहयोगी रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। भारत ने रूस से सस्ता तेल आयात बढ़ाया है और अब समुद्री सहयोग को नई ऊंचाई दे दी है। यह दोस्ती दुनिया पर भारी है क्योंकि यह इंडोपेसिफिक में संतुलन बनाती है। जहां चीन की बढ़ती ताकत को काउंटर करने के लिए रूस भारत का साथी है।

भारत रूस की दोस्ती की जड़े शीत युद्ध के दौर से मजबूत हैं। 1950 के दशक में सोवियत संघ ने भारत को सैन्य सहायता दी जब पश्चिमी देश पाकिस्तान को हथियार दे रहे थे। फिर 1960 से भारत ने रूसी जहाज और सबमरीन का इस्तेमाल शुरू कर दिया। आज भारतीय नौसेना के आधे से अधिक प्रमुख जहाज रूसी मूल के हैं। अब 1971 के भारतपाकि युद्ध में रूस की भूमिका यादगार है। जब अमेरिका ने अपना एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस एंटर प्राइज बंगाल की खाड़ी में भेजा।

फिर आई कूनो से अच्छी खबर... गामिनी ने दिया तीन शावकों को जन्म

-भारत में चीतों की संख्या 38 हुई, 7 फरवरी को भी हुआ था 5 शावकों का जन्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी ने बुधवार को तीन शावकों को जन्म दिया। खास बात यह है कि यह खुशखबरी चीतों के भारत आने के तीन साल पूरे होने के दिन सामने आई है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने एक्स पर इसकी जानकारी दी। यादव ने इस उपलब्धि को भारत के ऐतिहासिक संरक्षण अभियान की बड़ी सफलता बताया है। बता दें भारत आने के बाद मादा चीता गामिनी दूसरी बार मां बनी है। इन नए शावकों के जन्म के साथ भारत में शावकों की संख्या 27 हो गई है जो अभी जिंदा हैं। इसके साथ ही अब देश में चीतों की कुल आबादी 38 हो गई। बता दें बीते 10 दिन में यह दूसरा प्रसव है, जिनमें 8 शावकों ने जन्म लिया है। इससे पहले 7 फरवरी को भी कूनो नेशनल पार्क में चीता परिवार में 5 शावकों का जन्म हुआ था। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि शावकों का जन्म प्रोजेक्ट चीता को मजबूती प्रदान कर रहा है। फील्ड स्टाफ और पशु चिकित्सकों की सतत निगरानी और समर्पण से यह सपना साकार हो रहा है। शवकों के जन्म को लेकर मध्य प्रदेश के सीएम डा मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर कर लिखा- चीतों के पुनर्स्थापन का सशक्त केंद्र मध्यप्रदेशज अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रोजेक्ट चीता के अंतर्गत दक्षिण अफ्रीका से आई मादा चीता 'गामिनी' ने तीन शावकों को जन्म दिया है। श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में आए चीतों के तीन साल पूरे होने के साथ ही कूनो में यह 9वां सफल प्रसव है। भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर अब 38 हो गई है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों की बढ़ती आबादी उनकी सतत निगरानी, वैज्ञानिक प्रबंधन और अथक परिश्रम के कारण यह संभव हो सकी है। कूनो में हो रहा यह सकारात्मक विकास भारत की जैव-विविधता संरक्षण यात्रा में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

बंगाल में ममता बनर्जी तुगलक और औरंगजेब की तरह शासन चला रही हैं

-बीजेपी सांसद ने लगाया बंगाल को बांग्लादेश बनाने की साजिश का लगाया आरोप

पटना (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हुमायूं कबीर द्वारा बनाई जा रही बाबरी मस्जिद पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बिहार में एनडीए के नेताओं ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि ममता बनर्जी भी कबीर का साथ दे रही हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बाबरी मस्जिद से जुड़े मुद्दों पर भी बंगाल सरकार की भूमिका पर सवाल उठते हैं और ममता को डबल गेम नहीं खेलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बांग्लादेशी मुसलमानों के सहारे सत्ता में बनी रहना चाहती हैं, लेकिन अब बंगाल के हिंदू जाग चुके हैं। जो लोग ममता बनर्जी को 'शेरनी' कहते हैं, वे उन्हें गलत बताते हैं और आरोप लगाते हैं कि वे राज्य को बांग्लादेश बनाने की दिशा में ले जा रही हैं। उन्होने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी तुगलक और औरंगजेब की तरह शासन चला रही हैं और हिंदुओं को दबाने का काम कर रही हैं। वहीं बीजेपी नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने भी पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन का दावा किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में जीत दर्ज की है और अब बंगाल में भी पार्टी का झंडा लहराएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। इधर बिहार की राजनीति में भी बयानबाजी तेज है। बिहार सरकार में मंत्री राम कृपाल यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले वे अपने कार्यकाल का हिसाब दें। उन्होंने दावा किया कि नीतीश सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है और राज्य के विकास के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। शराबबंदी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यदि कहीं कमी पाई जाती है तो सरकार कार्रवाई करेगी। वहीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार की एनडीए सरकार से उनके कामकाज का हिसाब मांगा है, जिससे बिहार की राजनीति गर्मा गई है। वहीं मंत्री दिलीप जायसवाल ने दिल्ली में आयोजित एआई समिट को अहम बताते हुए कहा कि बिहार की सक्रिय भागीदारी रही है।

2027 में असपा अकेले लड़ेगी चुनाव, गठबंधन की खबरें फेक न्यूज और साजिश का हिस्सा

-बसपा सुप्रीमो मायावती ने राजनीतिक गलियारों में चल रही अटकलों पर लगाया विराम

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक गलियारों में चल रही गठबंधन की अटकलों पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर पूर्ण विराम लगा दिया है। मायावती ने साफ किया कि गठबंधन को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया के कुछ हिस्सों में चल रही खबरें पूरी तरह से फेक न्यूज और एक गहरी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगाह किया कि बसपा को कमजोर करने और समर्थकों का ध्यान भटकाने के लिए विपक्षी दल और कुछ मीडिया घराने घिनौनी साजिशें रच रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बसपा प्रमुख ने साफ कहा कि उनकी पार्टी 2027 का मिशन अकेले अपने दम पर लड़ेगी और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। इसके साथ ही दिल्ली में नया बंगला लेने पर भी मायावती ने सफाई दी। मायावती ने गठबंधन की संभावनाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि बसपा को यह अच्छी तरह पता है कि सपा, कांग्रेस और

बीजेपी की विचारधारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की सोच के बिल्कुल विपरीत है।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इन दलों से गठबंधन करने से बसपा को कभी फायदा नहीं हुआ, बल्कि हमेशा बड़ा राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा है। मायावती ने आरोप लगाया कि जब-जब बसपा ने गठबंधन किया, विपक्षी दलों ने बसपा का वोट तो ले लिया, लेकिन अपना वोट बसपा को ट्रांसफर कराने में नाकाम रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हाथी की मस्त चाल चलते हुए 2027 के मिशन में डटे रहे।

सोशल मीडिया पर दिल्ली में केंद्र सरकार द्वारा नया बंगला आवंटित किए जाने को लेकर आ रही खबरों पर भी मायावती ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि इसे लेकर गलत और गुमराह करने वाली बातें प्रसारित की जा रही हैं। उन्होंने साफ किया कि केंद्र सरकार ने उनकी सुरक्षा को देखते हुए ही काफी समय बाद टाइप-8 का बंगला अलाट किया है। इसे लेकर बसपा को नुकसान पहुंचाने वाली बातें फैलाई जा रही हैं। केंद्र की वर्तमान सरकार ने मेरी सुरक्षा के हिसाब से कई बंगले अलाट किए थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से नहीं लिया था। लिया भी था तो छोड़ दिया था। अब टाइप-8 का बंगला अलाट किया है तो उसे मैंने स्वीकार कर लिया है। इसे लेकर गलत बातें प्रसारित की जा रही हैं। मायावती ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, विरोधी पार्टियां साम-दाम-दंड-भेद के हथकंडे अपनाए जाएंगे और बसपा को सत्ता से दूर रखने के षड्यंत्र और भी बढ़ते जाएंगे। ऐसे में सभी आंबेडकरवादियों को सतर्क रहना चाहिए।

अरुणाचल और नागालैंड के जंगलों में आग बुझाने सेना-वायुसेना का युद्धस्तर पर काम जारी

-हेलीकॉप्टर लगातार गिरा रहे पानी, यह आग 13 फरवरी से फैली है जंगल में

गुवाहाटी (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के जंगल में आग बुझाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। भारतीय सेना और वायुसेना ऑपरेशन में जुटी है। हेलीकॉप्टर लगातार पानी गिरा रहे हैं, जबकि सतह पर टीमें खास उपकरणों से आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। अब तक अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में आग पर काबू पाया जा चुका है। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हेलीकॉप्टर दो मोर्चों पर जंगल की आग बुझाने के मिशन में लगे हैं और मुश्किल इलाकों में लगातार हवाई फायरफाइटिंग कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वायुसेना ने जानकारी दी है कि अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में कुल 139,800 लीटर पानी गिराया गया है, जिससे आग बुझ गई है। साथ ही नागालैंड में जुकोऊ घाटी में ऑपरेशन जारी है, जिसमें हेलीकॉप्टर से पानी लाकर जफ्फू पीक के पास खड़ी ढलानों, खराब विजिबिलिटी और दुर्लभ हवा के बीच आग बुझा रहे हैं। भारतीय सेना के जवानों ने वायुसेना के साथ मिलकर अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में करीब 3,000 से 3,500 फीट की ऊंचाई पर मौजूद दूर-दराज के इलाकों में लगी जंगल की आग पर काबू पाने की

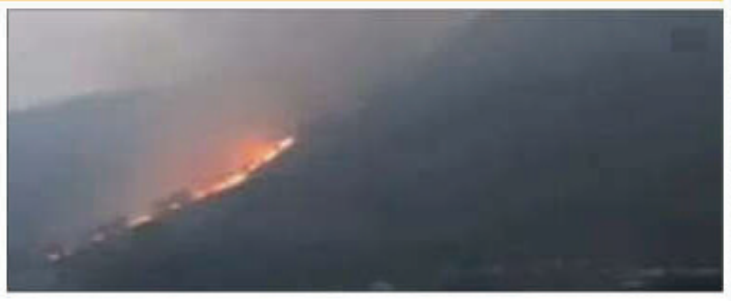

कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार को आर्मी ने वीडियो शेयर किए थे, जिनमें पहाड़ियों पर लगी आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर पानी गिराते हुए दिख रहे थे, जबकि जमीनी टीमों की मदद के लिए आग बुझाने के दूसरे उपकरण भी लगाए गए थे। बताया जाता है कि यह आग 13 फरवरी को जंगल में फैली थी।

इससे पहले शनिवार को वायुसेना ने पोस्ट किया था कि हेलीकॉप्टर अरुणाचल प्रदेश की लोहित घाटी में 9,500 फीट से ऊपर लगातार आग बुझाने का मिशन चला रहे हैं। लोहित घाटी के ऊपर पहाड़ियों के किनारे हॉटस्पॉट पर 12,000 लीटर से ज्यादा पानी पहुंचाया गया। खराब मौसम और पतली हवा के बावजूद, हेलिकॉप्टर पानी गिराकर आग पर काबू पाने और नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा करने का काम जारी रखे हुए हैं।

गुवाहाटी में एक रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक सूखा मौसम और झूम खेती, जो पहाड़ी जनजातियों का पारंपरिक कटाई-जलाओ का तरीका है, नॉर्थईस्ट में जंगल में आग लगने की मुख्य वजहों में से हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि पिछले पांच दिनों में हवाई जांच और पानी गिराने में मदद करने वाले हेलीकॉप्टरों के साथ मिलकर चौबीसों घंटे काम किया जा रहा है। ये ऑपरेशन बहुत मुश्किल इलाके और मौसम की हालत में किए जा रहे हैं ताकि आग पूरी तरह बुझ जाए।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने प्रियंका गांधी पर लगाया आरोप कहा- लिंचिंग की साजिश रची थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एक नए राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। बिट्टू ने घोषणा की है कि वह प्रियंका गांधी के खिलाफ एक औपचारिक शिकायत दर्ज करवाएंगे, जिसमें करीब पांच साल पहले किसान आंदोलन के दौरान हुई एक घटना की जांच की मांग की जाएगी। बिट्टू का आरोप है कि उस समय उन्हें जानबूझकर उग्र प्रदर्शनकारियों के बीच भेजा गया था, जहां उन पर जानलेवा हमला हुआ था।

एक साक्षात्कार के दौरान गंभीर आरोप लगाते हुए रवनीत बिट्टू ने कहा कि उस समय उन्हें प्रियंका गांधी की मंशा पर संदेह नहीं था, लेकिन अब उन्हें लगता है कि इसके पीछे कोई बड़ी साजिश थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रियंका गांधी को अच्छी तरह पता था कि प्रदर्शनकारी किसान बिट्टू के खिलाफ आक्रोशित हैं, तो उन्हें वहां क्यों भेजा गया? बिट्टू ने आशंका जताई कि यह उन्हें नुकसान पहुंचाने का एक पूर्व-नियोजित प्लान और डिजाइन था ताकि उस घटना को एक बड़ा राजनीतिक मोड़ दिया जा सके और भाजपा विरोधी भावनाओं को और भड़काया जा सके। उन्होंने उस दिन की घटना को याद करते हुए कहा कि वह और विधायक कुलबीर जीरा भीड़ द्वारा लगभग लिंच कर दिए गए होते।

इसके साथ ही बिट्टू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा उन्हें गद्दार कहे जाने पर भी तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा का प्रयोग करके राहुल गांधी ने अपने पद की गरिमा को गिराया है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि दूसरी पार्टी में जाना गद्दारी है, तो कांग्रेस में शामिल उन तमाम नेताओं के बारे में राहुल गांधी की क्या राय है जो अन्य दलों से आए हैं?

दूसरी ओर, पंजाब कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक नौटंकी करार दिया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि बिट्टू केवल अपने नए राजनीतिक आकाओं को खुश करने और सुर्खियां बटोरने के लिए इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। पंजाब के नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने तंज कसते हुए कहा कि सालों बाद बिट्टू की याददाश्त अचानक तब वापस आई है, जब उन्हें अपनी वफादारी साबित करने की जरूरत महसूस हो रही है। वहीं, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि यह कहना हास्यास्पद है कि उन्हें जबरदस्ती विरोध स्थल पर भेजा गया था। कांग्रेस के अनुसार, बिट्टू केवल अपनी नई पार्टी में अपनी जगह पक्की करने के लिए प्रियंका गांधी के खिलाफ इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। इस जुबानी जंग ने पंजाब और राष्ट्रीय राजनीति में गरमाहट पैदा कर दी है।

अजित पवार विमान हादसा: डीएफडीआर डेटा डाउनलोड, सीवीआर रिकवरी के लिए कंपनी से मांगी मदद

-एएआईबी की तकनीकी जांच जारी; सीबीआई जांच की मांग तेज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की जांच अब निर्णायक चरण में पहुंचती दिख रही है। जांच की जिम्मेदारी एयरक्रॉफ्ट एक्सिडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) को सौंपी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, क्रैश के दौरान विमान का ब्लैक बॉक्स तेज गर्मी और आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हुआ था, हालांकि उसके एक हिस्से का डेटा सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया है।

मंत्रालय ने बताया कि विमान में लगे दो स्वतंत्र फ्लाइट रिकॉर्डर, डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) में से डीएफडीआर का डेटा एएआईबी की फ्लाइट रिकॉर्डर लैब में डाउनलोड कर लिया गया है। यह रिकॉर्डर अमेरिकी कंपनी एल3 क्यूनिकेशंस द्वारा निर्मित है। वहीं, सीवीआर, जिसे हनीवेल ने बनाया है, उसकी विस्तृत तकनीकी जांच जारी है। सीवीआर का डेटा रिकवर करने के लिए संबंधित कंपनी से तकनीकी सहयोग मांगा गया है।

राजनीतिक बयानवाजी हुई तेज

ब्लैक बॉक्स के जलने के दावों पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। एनसीपी (शरद गुट) के विधायक और पवार के भतीजे रोहित पवार ने कहा कि ब्लैक बॉक्स भीषण आग और धमाकों से सुरक्षित रह सकता है, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति से नहीं। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्लैक बॉक्स 1100 डिग्री सेल्सियस तापमान को एक घंटे तक और 260 डिग्री तापमान को लगभग 10 घंटे तक सहन कर सकता है। ऐसे में उसके पूरी तरह जलने की संभावना कम बताई जा रही है।

28 जनवरी को हुआ था हादसा

पुणे जिले के बारामती में 28 जनवरी की सुबह वीएसआर वेंचर्स कंपनी का लेयरजेट 45 विमान क्रैश हो गया था। इस हादसे में अजित पवार समेत कुल पांच लोगों की मौत हुई थी। विमान सुबह 8:10 बजे मुंबई से रवाना हुआ था और करीब 8:45 बजे बारामती के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के दूसरे दिन ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया था।

सीबीआई जांच की मांग

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने अन्य एनसीपी नेताओं के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर हादसे की सीबीआई जांच की मांग की है। इस प्रतिनिधिमंडल में सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केंद्र सरकार से चर्चा का आश्वासन दिया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, जांच विमान दुर्घटना जांच नियम, 2017 और

आईसीएओ एनेक्स-13 के अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत की जा रही है। एएआईबी ने अपील की है कि जांच पूरी होने तक अटकलों से बचा जाए। ब्यूरो ने भरोसा दिलाया है कि निष्कर्ष पूरी तरह तकनीकी साक्ष्यों पर आधारित होंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com